RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-308 | जयपुर, शुक्रवार, 08 मई 2026 | मूल्य-4 रूपये

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर सेना ने कहा - भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा

पाक के किसी भी आतंकी ठिकाने को ध्वस्त कर सकती है हमारी सेना

कोई आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं 'ऑपरेशन सिंदूर' अंत नहीं शुरुआत

जयपुर

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साफ संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभियान अंत नहीं, बल्कि शुरुआत थी। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ता रहेगा। सेना ने दो टूक कहा अब पाकिस्तान में कोई भी आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक लड़ाई की शुरुआत है।

जयपुर स्थित साउथ वेस्टर्न कमांड में गुरुवार को आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय थल सेना, वायु सेना व नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति, उपलब्धियों और उसके प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। सेना ने इस अभियान को पिछले कई दशकों में पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंक के खिलाफ भारत का सबसे व्यापक व समन्वित सैन्य अभियान बताया।

इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के डिप्टी चीफ (ऑपरेशन) लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए. मिनवाला, डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ले. जनरल राजीव घई, डायरेक्टर जनरल एयर ऑपरेशन एयर मार्शल अवधेश कुमार तथा डायरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशन वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया 'आत्मनिर्भर भारत' केवल नारा नहीं, बल्कि भारत की सैन्य शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाली वास्तविक क्षमता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जा रहे 65 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण देश में ही निर्मित हो रहे हैं।

घई ने कहा 7 मई, 2025 को शुरू हुए अभियान के दौरान भारतीय सेना ने 7 और वायु सेना ने दो प्रमुख आतंकी लक्ष्यों को निशाना बनाया था। इन कार्रवाइयों में आतंकवादी शिविरों को भारी क्षति पहुंची, 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई। उन्होंने दावा किया कि नियंत्रण रेखा पर बाद में हुई झड़पों में पाकिस्तान के 100 से अधिक सैनिक भी मारे गए। उन्होंने कहा पाकिस्तान ने लंबे समय तक आतंकवादी ढांचे को सुरक्षित समझा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने यह धारणा पूरी तरह तोड़ दी। आतंकवादी कैंपों का स्थान बदलते रहने व उन्हें सीमा से भीतर खिसकाने की कोशिशों के बावजूद भारतीय सेना की पहुंच और क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा।

एयर मार्शल अवधेश कुमार ने कहा भारत हमेशा 'जियो व जीने दो' के सिद्धांत में विश्वास करता है, लेकिन जब शांति की इच्छा को कमजोरी समझा जाए व संयम को निष्क्रियता माना जाए, तब निर्णायक कार्रवाई आवश्यक हो जाती है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट था और इसमें किसी प्रकार की नरमी की गुंजाइश नहीं रखी गई।

एयर मार्शल ने दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान भारत के किसी सैन्य या नागरिक ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं ने सभी हमलों को प्रभावी ढंग से निष्क्रिय कर दिया। उन्होंने बताया कि इस अभियान में पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया, 11 एयरफील्ड को तबाह किया और 13 विमान मार गिराए गए। इनमें एक एयर वार्निंग विमान भी शामिल था, जिसे 300 किलोमीटर से अधिक दूरी से निशाना बनाया गया।

मैंने ममता का हराया, इसलिए मेरे पीए की हत्या हुई: सुवेंदु

चंद्रनाथ की मां बोलीं- हार का बदला बेटे से लिया

चुनाव परिणामों के बाद हिंसा की आग में सुलगता बंगाल

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चुनावों के बाद हिंसा जारी है। कोलकाता के नजदीक आने वाले मध्यमग्राम में शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या के बाद बम अटैक की घटना भी सामने आई है। इसमें पांच बीजेपी कार्यकर्ता घायल हो गए। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि उनके पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने ममता को हराया है।सुवेंदु ने कहा- इस हत्या को जिस तरह से अंजाम दिया गया, उसकी जितनी भी निंदा करें वह कम है। हत्या की वजह भवानीपुर से ममता की हार हो सकती है।

उधर चंद्रनाथ की मां ने कहा कि इस हार का बदला मेरे बेटे की हत्या कर लिया गया। कुछ नेताओं ने पहले धमकी दी थी कि 4 तारीख के बाद कोई बचा नहीं पाएगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि रथ को चार गोलियां लगीं थीं। इस मामले में पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है। इन्हें कहां से पकड़ा गया, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

चंद्रनाथ की कार पर गोलियों की बौछार

चंद्रनाथ की हत्या बुधवार देर रात 10.30 बजे की गई थी। वे कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर लौट रहे थे। कोलकाता से करीब 20 द्वद्व दूर डोलतला में एक कार रथ की स्कॉर्पियो के सामने खड़ी हो गई। इसी बीच बाइक पर आए हमलावरों ने 6 से 10 राउंड फायरिंग की। दो गोलियां चंद्रनाथ के सीने से आर-पार हो गईं। एक गोली पेट में लगी। उनके ड्राइवर बुद्धदेब बेरा को भी गोली लगी।

हत्या के बाद हमलावर कार छोड़कर बाइक से फरार हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रनाथ को मृत घोषित कर दिया। उनके ड्राइवर का इलाज जारी है।

फोरेंसिक जांच के शुरुआती इनपुट के मुताबिक, हमलावरों ने ग्लॉक 47X पिस्टल का इस्तेमाल किया था। इस मॉडर्न हथियार का इस्तेमाल आम अपराधी नहीं करते।

बाइक सवार हमलावर हेलमेट पहने हुए था और बाइक पर नंबर प्लेट नहीं थी। पुलिस ने मौके से वह कार जब्त की है, जिससे स्कॉर्पियो का रास्ता रोका गया था। हालांकि, उस पर लगी नंबर प्लेट फर्जी निकली। चंद्रनाथ रथ पर फायरिंग के करीब 1 घंटे बाद रात करीब 12.30 बजे बशीरहाट जिले में रोहित रॉय नाम के भाजपा कार्यकर्ता पर फायरिंग हुई।

पश्चिम बंगाल राज्यपाल ने विधानसभा भंग की

अब ममता बनर्जी नहीं रही मुख्यमंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी है। लोकभवन से गुरुवार शाम को इसका नोटिफिकेशन जारी हुआ। इसका मतलब है कि ममता कैबिनेट के किसी भी मंत्री के पास अब कोई पावर नहीं रहेगी। ममता ने बुधवार को कहा था कि वे सीएम पद से इस्तीफा नहीं देंगी।

इधर बंगाल में हावड़ा के पास शिवपुर में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबर है। इससे पहले बुधवार रात को शुभेंदु अधिकारी के पीए की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

चुनाव परिणामों के बाद ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव षड़यंत्र व दबाव के बीच कराए गए। उन्होंने साफ कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगी व यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें बर्खास्त किया जाए। कालीघाट स्थित आवास पर तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में ममता बनर्जी ने परिणामों को काला दिन बताया।

इधर, नई सरकार के शपथ ग्रहण तक प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने को लेकर भी चर्चा चल रही है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि राज्यपाल अंतरिम व्यवस्था के तहत सीमित अवधि के लिए प्रशासनिक जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

तमिलनाडु में राज्यपाल ने विजय से 118 विधायकों का समर्थन दिखाने को कहा

दूसरी तरफ तमिलनाडु में सरकार बनने को लेकर पेच फंसा हुआ है। 108 सीटें हासिल करने वाली एक्टर विजय की पार्टी टीवीके से राज्यपाल ने बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन दिखाने को कहा है। टीवीके को कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन हासिल है। उधर, एआईएडीएमके ने अपने 47 में से 28 विधायकों को पुडुचेरी शिफ्ट कर दिया है।

डंपर ने बाइक सवार दोस्तों को कुचला

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में बजरे से भरे डंपर ने बाइक सवार तीन दोस्तों को कुचल दिया। सिर फटने से एक युवक की मौत हो गई, वहीं दो के पैर टूट गए। घटना की सूचना के बाद हॉस्पिटल पहुंचे लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। बजरी माफिया के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई और मुआवजा देने की मांग की। हादसा सदर थाना क्षेत्र में सावाईपुर के पास बुधवार (6 मई) की रात करीब 12 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन युवक भीलवाड़ा में कपड़े की दुकान का काम खत्म कर गांव पोंडरास लौट रहे थे। इसी दौरान सावाईपुर के पास तेज रफ्तार बजरी से भरे डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

जल जीवन मिशन घोटाला : एसीबी कोर्ट ने पूर्व पीएचईडी मंत्री जोशी को 11 मई तक रिमांड पर भेजा

एसीबी ने पूर्व मंत्री महेश जोशी को घर से गिरफ्तार किया

जयपुर

राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए तत्कालीन पीएचईडी मंत्री महेश जोशी को गिरफ्तार किया है। एसीबी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने उन्हें जयपुर स्थित आवास से हिरासत में लेकर एसीबी कोर्ट में पेश किया। अदालत ने उन्हें 11 मई तक एसीबी रिमांड पर भेज दिया।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ रुपये के टेंडरों में व्यापक भ्रष्टाचार, टेंडर फिक्सिंग और फर्जी दस्तावेजों के जरिए अनुचित लाभ पहुंचाने का मामला सामने आया है। जांच में यह भी सामने आया कि फर्जी कार्य पूर्णता प्रमाण पत्रों के आधार पर करीब 960 करोड़ रुपये के टेंडर हासिल किए गए। गुप्ता ने बताया कि जांच में सामने आया कि मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवैल कंपनी के प्रोपराइटर महेश मित्तल और मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवैल कंपनी के प्रोपराइटर पदमचंद जैन ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी प्रमाण पत्र तैयार किए। इन दस्तावेजों के आधार पर विभिन्न टेंडर हासिल किए गए।

एसीबी का आरोप है कि पूर्व मंत्री महेश जोशी ने पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव पीएचईडी सुबोध अग्रवाल, मुख्य अभियंताओं, अति. मुख्य अभियंताओं, संवेदकों व निजी व्यक्तियों के साथ मिलीभगत कर यह पूरा खेल रचा। जांच में यह भी सामने आया कि 50 करोड़ रुपये से अधिक के मेजर प्रोजेक्ट्स में साइट विजिट प्रमाण-पत्र की बाध्यता को नियमों के विपरीत निविदाओं में शामिल किया गया। इससे बोलीदाताओं की पहचान उजागर हुई और टेंडर पुलिंग को बढ़ावा मिला। एसीबी के अनुसार इस प्रक्रिया के चलते 30 से 40 प्रतिशत तक अत्यधिक टेंडर प्रीमियम मिला। जिन टेंडरों में अनियमितता सामने आई उनकी कुल राशि करीब 20 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। प्रकरण में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें महेश जोशी तत्कालीन मंत्री पीएचईडी विभाग, सुबोध अग्रवाल सेवानिवृत्त आईएएस एवं तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव,दिनेश गोयल हाल मुख्य अभियंता प्रशासन, के.डी. गुप्ता शामिल है।

ओडिशा में जीआरपी कांस्टेबल की पीट-पीटकर हत्या

भुवनेश्वर

ओडिशा के खुर्दा जिले में लड़कियों से छेड़छाड़ के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर एक जीआरपी कांस्टेबल सौम्य रंजन स्वाई की हत्या कर दी। घटना उस समय हुई जब सौम्य रंजन अपने साथी के साथ किसी आधिकारिक काम से रेलवे एडीजी से मिलने जा रहे थे।

आरोप है कि सौम्य रंजन और ओम प्रकाश ने बुधवार को रास्ते में दो युवतियों पर अभद्र टिप्पणी की। उनकी बाइक ने स्कूटी सवार दो महिलाओं को टक्कर भी मारी, जिससे महिलाएं दूर तक घसीटती चली गईं। सौम्य रंजन पिछले 12 सालों से कटक जीआरपी में कांस्टेबल था।

सौम्य रंजन की मां ने कहा कि उनका बेटा अपने साथी ओम प्रकाश के साथ एडीजी से मिलने जा रहा था, लेकिन लोगों ने उसे पीट-पीटकर मार डाला। परिवार का आरोप है कि पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने सौम्य को बचाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

न्यू मेडिकल हॉस्पिटल में डिलीवरी के बाद 48-घंटे में दूसरी मौत

परिजन ने शव लेने से किया मना, बोले-दोषियों पर कार्रवाई हो

कोटा

कोटा के न्यू मेडिकल हॉस्पिटल में सीजेरियन डिलीवरी मामले में दूसरी मौत हो गई। गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे हॉस्पिटल में भर्ती एक महिला को हालत क्रिटिकल होने के बाद वेंटिलेटर पर लिया गया था। इसके बाद डॉक्टरों ने डेथ कंफर्म कर दी।

महिला के परिजन ने शव लेने से मना कर दिया है। हॉस्पिटल में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के बाहर परिजन और कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठे हैं।

उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शव को नहीं उठाएंगे. क्योंकि जिस तरह के लापरवाही अस्पताल प्रबंधन ने बरती है, उसी से मेरी पत्नी की मौत हुई है. रवि ने आरोप लगाया कि इलाज में लापरवाही और कुछ गलत दवा या इंजेक्शन दिया गया है. इसके अलावा कुछ इन्फेक्शन भी अस्पताल में ही हो सकता है. क्योंकि मेरी पत्नी के ज्योति के साथ-साथ अन्य प्रसूताओं की भी तबीयत बिगड़ी थी. यह आज मेरे साथ हुआ है और अन्य लोगों के साथ भी हो सकता है.

दरअसल, हॉस्पिटल के गायनिक वार्ड में 4 मई को सीजेरियन डिलीवरी के बाद 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई। इनमें से एक महिला पायल (28) की 5 मई को मौत हो गई, वहीं दूसरी महिला ज्योति (20) ने गुरुवार को दम तोड़ दिया। अन्य महिलाओं को जयपुर भेजने की तैयारी चल रही है।

गुरुवार सुबह कलेक्टर पीयूष समारिया हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने कहा- मामले की जांच के लिए टीम गठित कर रखी है।

थाने पर पथराव, थानाधिकारी घायल

बाइक जब्त करने पर 50 से ज्यादा लोगों ने किया हमला, 15 थानों से फोर्स बुलाई

गोविंदगढ़ (अलवर)

अलवर जिले के गोविंदगढ़ थाने पर बुधवार रात करीब 50-60 लोगों ने पथराव कर दिया। पथराव में थानाधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। एएसआई के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता की गई।

घटना हुड़दंग मचा रहे 2 युवकों की बाइक जब्त करने के बाद हुई। भीड़ को खदेड़ने के बाद एहतियात के तौर पर करीब 15 थानों से पुलिस का जाब्ता बुलाया गया।थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया- पुलिस ने रात करीब 10 बजे हुड़दंग मचा रहे 2 युवकों पर कार्रवाई की। नियमों का उल्लंघन करने पर दिल्ली नंबर की उनकी बुलेट बाइक जब्त कर ली। बाइक पर न हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट थी और न ही मानक साइलेंसर लगा था।

बाइक में तेज आवाज वाले अवैध हॉर्न और पटाखे जैसी साउंड निकालने वाला मॉडिफाइड साइलेंसर भी लगा हुआ था। बाइक जब्त करने पर युवकों ने विरोध किया, फिर थोड़ी देर बाद वहां से चले गए।

सम्राट कैबिनेट में नीतीश के बेटे समेत 32 मंत्री बने

पीएम ने पूर्व सीएम को बुलाया, हाथ पकड़कर पास लाए

पटना

सम्राट चौधरी के सीएम बनने के 22 दिन बाद आज गुरुवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया। मेगा इवेंट में नीतीश के बेटे निशांत कुमार समेत 32 मंत्री सम्राट कैबिनेट में शामिल हुए।

नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जेडीयू से 13, LJP(R)-2, HAM और RLM से एक-एक मंत्री हैं। 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली है।

पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह, और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं।

समारोह में पीएम मोदी भी शामिल हुए हैं। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार को अपने पास बुलाया। मंच पर उनसे हाथ मिलाया, इस दौरान नीतीश कुमार ने पीएम का कंधा पकड़कर हिला दिया।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह विभाग समेत 6 विभाग अपने पास रखे हैं। वहीं नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को स्वास्थ्य विभाग सौंपा गया है। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं और फिलहाल किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं।

डिप्टी सीएम बिजेंद्र प्रसाद यादव को वित्त विभाग की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि दूसरे डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी जल संसाधन विभाग संभालेंगे। पूर्व डिप्टी सीएम विजय सिन्हा को कृषि मंत्रालय दिया गया है। शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी मिथिलेश तिवारी संभालेंगे। शिक्षा विभाग पहली बार बीजेपी को मिला है।

कैबिनेट में 8 नए चेहरे

शपथ समारोह के साथ ही सम्राट कैबिनेट में कुल 34 मंत्री हो चुके हैं। निशांत कुमार, मिथिलेश तिवारी, श्वेता कुमारी समेत 8 नेता पहली बार मंत्री बने हैं। छठ्ठ कोटे से 2 डिप्टी ष्टरू मुख्यमंत्री के साथ पहले ही शपथ ले चुके हैं।

25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने शपथ ली। पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह, और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली।

समारोह में पीएम मोदी भी शामिल हुए हैं। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार को अपने पास बुलाया। मंच पर उनसे हाथ मिलाया, इस दौरान नीतीश कुमार ने पीएम का कंधा पकड़कर हिला दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में सीधे राष्ट्रगान बजाया गया, जबकि प्रोटोकॉल के हिसाब से पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम् बजाया जाना था। दो बार बिहार के स्वास्थ्य मंत्री रहे मंगल पांडेय इस बार कैबिनेट में जगह नहीं मिली है, खबर है कि पार्टी में उन्हें बड़ी जगह दी जाएगी।

सबरीमाला केस, सुप्रीम कोर्ट बोला-हर धार्मिक प्रथा को चुनौती गलत

इससे धर्म और समाज दोनों टूट जाएंगे, अदालतों में सैकड़ों केस आएंगे

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर लोग धार्मिक प्रथाओं और धर्म के मामलों को अदालत में चुनौती देने लगेंगे, तो इससे धर्म और समाज पर असर पड़ सकता है। कोर्ट ने कहा कि इससे सैकड़ों याचिकाएं आएंगी और हर रिवाज पर सवाल उठने लगेंगे।

यह टिप्पणी नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे और महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ा मामला और दाऊदी बोहरा समुदाय का केस भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ी 40 साल पुरानी जनहित याचिका की वैधता पर सवाल उठाए थे।

जस्टिस नागरत्ना बोलीं- इससे कोर्ट में केस बढ़ेंगे

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर हर व्यक्ति धार्मिक प्रथाओं पर सवाल उठाएगा, तो भारतीय समाज पर असर पड़ेगा, क्योंकि यहां धर्म समाज से गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा, हर अधिकार पर सवाल उठेंगे- मंदिर खुलने या बंद होने तक के मामले कोर्ट में आएंगे।

कोर्ट की यह टिप्पणी दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ी 40 साल पुरानी याचिका पर आई। जस्टिस एमएम सुन्द्रेश ने कहा कि अगर ऐसे विवादों को लगातार अनुमति दी गई, तो हर व्यक्ति हर चीज पर सवाल उठाएगा। इससे धर्म टूट सकते हैं और अदालतों पर भी असर पड़ेगा।

धार्मिक प्रथाओं पर सवाल कहां और कैसे उठाए जाएं

सुधारवादी दाऊदी बोहरा समूह की ओर से वकील राजू रामचंद्रन ने कोर्ट में दलील दी कि अगर कोई प्रथा सामाजिक या निजी कारणों से जुड़ी है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धार्मिक सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए। कोई भी प्रथा अगर मौलिक अधिकारों पर नकारात्मक असर डालती है, तो उसे सीमित किया जा सकता है।

इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता और सभ्यता से है, और धर्म इसमें एक स्थायी तत्व है। इसे तोड़ना सही नहीं होगा।

सबरीमाला से शुरू हुई बहस, अब मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक बहिष्कार पर सर्वोच्च न्यायालय में बड़ा मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट में इन दिनों धार्मिक परंपराओं, महिलाओं के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों को लेकर एक बेहद अहम सुनवाई चल रही है। सबरीमाला मामले से शुरू हुई यह कानूनी बहस अब केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका दायरा कई धार्मिक समुदायों की परंपराओं तक पहुंच चुका है। अदालत अब यह तय करने की दिशा में आगे बढ़ रही है कि धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। सुनवाई के दौरान न्यायपीठ ने मुस्लिम महिलाओं के मस्जिदों में प्रवेश, पारसी समुदाय में अंतरधार्मिक विवाह करने वाली महिलाओं के बहिष्कार और दाऊदी बोहरा समाज में सामाजिक बहिष्कार जैसी प्रथाओं पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि क्या किसी महिला को विवाह के आधार पर समुदाय से अलग करना वास्तव में धार्मिक परंपरा है या फिर यह समय के साथ बनी सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है। बहस के दौरान पारसी महिलाओं की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के बहिष्कार का कोई स्पष्ट धार्मिक आधार दिखाई नहीं देता और यह अधिकतर मानव निर्मित व्यवस्था प्रतीत होती है। न्यायपीठ ने यह भी जानना चाहा कि यदि पुरुषों को अलग नियमों के तहत स्वीकार किया जाता है तो महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था क्यों लागू हो। अब इस मामले में आने वाला फैसला केवल एक विवाद का समाधान नहीं करेगा, बल्कि यह देश में धर्म, समानता और संवैधानिक अधिकारों की नई दिशा भी तय कर सकता है।

फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला गैंग का पर्दाफाश

-ग्रामीण क्षेत्र के युवा होते हैं गैंग के निशाने पर

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड़ जिले में फर्जी शादी कराकर युवाओं को लूटने वाला बड़ा गैंग सामने आया है। इस गैंग ने ग्रामीण इलाकों के कई युवाओं को अपनी ठगी का शिकार बनाया। ताजा मामला उमापुर गांव से सामने आया है, जहां युवती ने आठ बार शादी करने के बाद नौवीं बार उमापुर के एक युवक से शादी कर लाखों रुपये का चूना लगा दिया। उमापुर निवासी युवक की शादी के लिए कुछ एजेंटों ने मध्यस्थता की। शादी तय करने के नाम पर युवक से लाखों रुपये लिए। इसके बाद बाकायदा शादी हुई, लेकिन कुछ समय बाद दुल्हन और उन एजेंटों का असली चेहरा सामने आ गया। जांच में यह खुलासा हुआ कि जिस लड़की से युवक की शादी हुई, वह पहले आठ बार शादी कर चुकी थी। इस धोखाधड़ी का शिकार हुआ युवक अब परेशान हो रहा है। युवक ने मामले की शिकायत एसपी से की। युवक ने कहा कि अंधेरे में रखकर शादी कराई गई थी। जिस युवती से शादी हुई, उसकी यह नौवीं शादी थी। युवक का कहना है कि दुल्हन एक और दूल्हे अनेक बनाकर यह गिरोह युवाओं की जिंदगी बर्बाद कर रहा है। यह गैंग खासतौर पर ग्रामीण इलाकों के उन युवकों को निशाना बनाता था, जिन्हें शादी के लिए दुल्हन ढूंढने में परेशानी होती है। यह गैंग एजेंटों के जरिए युवकों को निशाना बनाया जाता है।

सिंहस्थ तैयारियों को झटका : शिप्रा किनारे व्यावसायिक निर्माण पर हाईकोर्ट की रोक

उज्जैन (एजेंसी)। साल 2028 में होने वाले सिंहस्थ से पहले शिप्रा नदी के करीब प्रस्तावित निर्माण गतिविधियों को लेकर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। उच्च न्यायालय ने दो टूक कहा कि शिप्रा नदी के किनारे किसी भी प्रकार की कारोबारी गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती। विशेष रूप से, नदी तट से 100 से 200 मीटर के दायरे में प्रस्तावित रिसॉर्ट निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह फैसला उज्जैन निवासी सत्यनारायण द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आया, जिसमें मास्टर प्लान के प्रावधानों का उल्लंघन कर हो रहे अवैध निर्माणों को चुनौती दी गई थी। पूर्व में, हाईकोर्ट ने नगर निगम और राज्य शासन को 200 मीटर क्षेत्र में अवैध और अनाधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। मंगलवार को हुई सुनवाई में, उज्जैन नगर निगम ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर बताया कि अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी है, कुछ अतिक्रमण हटाए गए हैं और कुछ को नोटिस जारी किए गए हैं। सुनवाई के दौरान मेला को ध्यान में रखकर बनाई गई रिवर फ्रंट डेवलपमेंट योजना का भी उल्लेख हुआ। इस योजना के तहत, नदी से 100 मीटर क्षेत्र में घाट विकास और सुंदरीकरण जैसे गैर-व्यावसायिक कार्य प्रस्तावित हैं, जिन्हें कोर्ट ने सैद्धांतिक रूप से इजाजत योग्य माना। हालांकि, 100 से 200 मीटर के दायरे में आश्रम, मठ, प्रवचन हॉल, धर्मशालाओं के साथ-साथ प्रस्तावित रिसॉर्ट जैसी कारोबारी गतिविधियों को लेकर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नदी किनारे रिसॉर्ट जैसे व्यावसायिक निर्माण को स्वीकार करना संभव नहीं है। अगली सुनवाई तक, इस 100 से 200 मीटर क्षेत्र में किसी भी प्रकार के रिसॉर्ट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय सिंहस्थ की तैयारियों में शामिल उन योजनाओं के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, जिनमें शिप्रा तट के व्यावसायिक उपयोग की परिकल्पना की गई थी।

इंडिया गठबंधन का सिर्फ एक ही काम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना

-राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कांग्रेस पर हुए हमलावार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने फिर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की घेराबंदी की है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन किसी स्पष्ट मिशन या विजन पर आधारित नहीं है। बल्कि भ्रम, विभाजन और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का समूह है। जिसका सिर्फ एक ही काम हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करना है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस लोकल दलों का इस्तेमाल कर उन्हें बाद में छोड़ देती है। उन्होंने दावा किया कि देश में इस गठबंधन की कोई मजबूत उपस्थिति या एकजुटता दिखाई नहीं देती है और यह केवल राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बना एक अस्थायी गठबंधन है। राष्ट्रीय प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन कोई वैचारिक गठबंधन नहीं है, बल्कि यह भ्रम और विभाजन का गठबंधन है। उनके अनुसार, इसमें शामिल दलों के बीच न नीति को लेकर एकरूपता है और न ही देश के विकास के लिए कोई साझा विजन इन लोगों के पास मौजूद है।

मध्य प्रदेश में गहराया भू-जल संकट: मालवा-बुंदेलखंड में हजार फीट पर भी धूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की ताजा रिपोर्ट ने मध्य प्रदेश के भू-जल स्तर की भयावह स्थिति पर गंभीर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के कई प्रमुख क्षेत्रों में भू-जल का दोहन खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जिससे भविष्य में पानी का विकट संकट खड़ा होने की आशंका है।

मालवा क्षेत्र, अपनी उपजाऊ मिट्टी के लिए प्रसिद्ध, अब भू-जल खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। विशेष रूप से उज्जैन जिले की स्थिति बेहद गंभीर है, जहां कुछ ब्लॉकों में भू-जल रिचार्ज से कहीं अधिक 144 प्रतिशत तक निकाला जा रहा है। उज्जैन के सभी छह ब्लॉक रेड अलर्ट श्रेणी में हैं। राजधानी भोपाल में भी भू-जल का दोहन 80 प्रतिशत के पार निकल गया है, और इसके तीनों ब्लॉक सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में हैं, जिसका सीधा अर्थ है कि भू-जल का उपयोग रिचार्ज की तुलना में कहीं अधिक हो रहा है।

बुंदेलखंड क्षेत्र भी गहरे जल संकट का सामना

कर रहा है। टीकमगढ़ के सभी ब्लॉक तेजी से रेड ज़ोन की ओर बढ़ रहे हैं, जबकि टीकमगढ़ और छतरपुर के आधे हिस्सों में भू-जल का अंधाधुंध दोहन भविष्य के लिए बड़ा संकट खड़ा कर रहा है। भू-जल अधिकारियों का कहना है कि 70 प्रतिशत से अधिक भू-जल का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए; इससे अधिक उपयोग ब्लॉक को असुरक्षित श्रेणी में डाल देता है।

रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि पानी खींचने की यही गति बनी रही, तब आने वाले सालों में इन इलाकों में बोरवेल सिर्फ धूल निकलनी है। इसके प्रमाण अभी से मिलने लगे हैं। उज्जैन की खाचरोद तहसील के पथलासी गांव में 1100 फीट की गहराई पर भी पानी नहीं मिल रहा है, जहां 24 निजी बोरवेल में से केवल तीन ही सफल हुए और तीन सरकारी बोर भी सूखे पड़े हैं। वहीं, टीकमगढ़ के माडूमार गांव में 400 फीट पर भी पानी न होने के कारण किसान केवल खरीफ की फसल पर निर्भर हैं और रबी की बुवाई के लिए सिंचाई का पानी खरीदना पड़ता है। फिलहाल राहत की बात केवल सागर जिले से है, जहां सभी 11 ब्लॉक सुरक्षित श्रेणी में बने हुए हैं क्योंकि यहां 70 प्रतिशत से कम भू-जल का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि, पूरे प्रदेश में बिगड़ती भू-जल स्थिति एक बड़े सूखे और जल संकट की ओर इशारा कर रही है, जिस पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है।

ममता की हार देख अखिलेश ने आईपैक से तोड़ा नाता, अब पार्टी खुद करेगी चुनाव प्रबंधन

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में एमके स्टालिन की चुनावी हार के बाद चुनाव प्रबंधन कंपनी आई-पैक से अपना रिश्ता खत्म करने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि अब पार्टी खुद चुनाव प्रबंधन करेगी। आधिकारिक तौर पर सपा की तरफ से आईपैक से ना तो रिश्ता जोड़ने का कोई बयान आया था ना ही अब जबकि 2027 चुनाव के लिए आईपैक से संबंध टूटे हैं तो इसका कोई आधिकारिक बयान पार्टी की तरफ से आया है, लेकिन पार्टी सूत्र बता रहे हैं कि चुनाव प्रबंधन करने वाली सबसे चर्चित कंपनी आईपैक से अब समाजवादी पार्टी का कोई संबंध नहीं है। सपा के इंसाइडर्स यह बता रहे हैं कि आईपैक पर पड़े लगातार छापे और अब दो राज्यों में चुनावी हार, जहां आईपैक इस चुनाव को मैनेज कर रही थी उसके बाद पार्टी के थिंक टैंक ने इस संस्था से दूरी बनाना ही बेहतर समझा है और आईपैक को ये बात भी दी है कि चुनाव में साथ नहीं चल सकते। बता दें जिस दिन कोलकाता में आईपैक ऑफिस में छापे पड़ रहे थे और ममता बनर्जी आईपैक के दफ्तर पहुंच गई, उसे दिन समाजवादी पार्टी ऑफिस आईपैक अपना प्रेजेंटेशन दे रही थी। आईपैक के साथ जाने का सब कुछ तय हो चुका था, लेकिन प्रेजेंटेशन के दिन ही पड़े छापे ने अखिलेश यादव का खबरदार कर दिया था और तभी यह पार्टी सोचने लगी थी क्या आईपैड को साथ लेना कहीं भारी तो नहीं पड़ जाएगा। अब ममता और स्टालिन की हार के बाद इस पर मोहर लग गई है।

पंजाब धमाकों पर बोले फारूक अब्दुल्ला- हिंदुस्तान में ब्लास्ट तो होते रहते....

-सियासी हलके में हुई तीखी प्रतिक्रिया

जम्मू (एजेंसी)। पंजाब में हुए ताजा बम धमाकों के बीच फारूक अब्दुल्ला के एक बयान ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने धमाकों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, इसमें कौन सी नई बात है। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है और इसे असंवेदनशील बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि मंगलवार रात पंजाब के जालंधर और अमृतसर में तीन घंटे के अंतराल में दो धमाके हुए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, जालंधर में रात करीब 8:15 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी में जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की दीवारें हिल गईं और आवाज लगभग डेढ़ किलोमीटर तक सुनी गई। इस घटना में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है, जबकि स्कूटी चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

वहीं, दूसरी घटना अमृतसर के खासा क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हुई, जहां रात लगभग 10:50 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बाइक सवार दो नकाबपोशों ने विस्फोटक सामग्री फेंकी, जो दीवार से टकराते ही फट गई। इस धमाके से परिसर की दीवार और टीन शेड को नुकसान पहुंचा है। घटनाओं के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। साथ ही पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इस बीच, फारूक अब्दुल्ला के बयान ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। विपक्ष और अन्य दलों के नेताओं ने उनके बयान की आलोचना करते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना बताया है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं के पीछे की साजिश का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

विजय की टीवीके को कांग्रेस का समर्थन, 7 को ले सकते हैं शपथ

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को कांग्रेस ने समर्थन देने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने एक वर्चुअल मीटिंग के दौरान टीवीके को समर्थन देने का प्रस्ताव पास किया है और जल्द ही इसका आधिकारिक पत्र जारी किया जा सकता है। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस ने 2021 और 2026 का चुनाव द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (डीएमके) के साथ गठबंधन में लड़ा था, लेकिन अब वह विजय के साथ सरकार बनाने की ओर कदम बढ़ा रही है। चर्चा है कि कांग्रेस इसके बदले कैबिनेट में दो मंत्री पद और कुछ सरकारी बोर्डों के अध्यक्ष पद की मांग कर सकती है।

राज्य की 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है, जबकि टीवीके को 108 सीटें हासिल हुई हैं।

कांग्रेस के पांच निर्वाचित विधायकों का समर्थन मिलने के बाद विजय के पास कुल 113 विधायकों का साथ हो जाएगा। हालांकि, बहुमत के जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें अभी भी 5 और विधायकों की जरूरत है। बताया जा रहा है कि टीवीके नेतृत्व वीसीके, लेफ्ट और अन्य छोटे दलों के संपर्क में है ताकि सरकार गठन में कोई बाधा न आए। विजय बुधवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं और संभवतः 7 मई को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं।

गणितीय आंकड़ों के खेल में एक पेच यह भी है कि विजय ने दो सीटों—चेन्नई की पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व—से जीत हासिल की है। निर्वाचन नियमों के अनुसार उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। यदि वे तिरुचिरापल्ली सीट छोड़ते हैं, तो उनकी पार्टी की संख्या 107 रह जाएगी। इसके अलावा, विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त होने की स्थिति में प्रभावी मतदान क्षमता 106 तक गिर सकती है, जिससे गठबंधन को अतिरिक्त समर्थन जुटाने के लिए और अधिक मशक्कत करनी होगी। फिलहाल चेन्नई स्थित विजय के आवास पर विधायकों की बैठकों का दौर जारी है। कांग्रेस विधायकों के भी जल्द ही उनसे मुलाकात करने की संभावना है। यदि यह गठबंधन सफल होता है, तो तमिलनाडु में दशकों पुराने द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे।

चुनावी हार के बाद ममता और अभिषेक की सुरक्षा में कटौती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार के दो दिन बाद, निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा में कमी की गई है। बुधवार सुबह 6:30 बजे से उनके आवासों और कार्यालयों के बाहर पुलिस व्यवस्था कम की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तीन परिसरों 88ए हरीश चटर्जी (ममता बनर्जी का आवास), 121 कालीघाट रोड (पार्टी का मुख्यालय) और 9 कैमक स्ट्रीट (अभिषेक बनर्जी का कार्यालय) से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को वापस बुलाया गया है। अब केवल जेड+ सुरक्षा व्यवस्था ही लागू रहेगी, जबकि इसके अतिरिक्त तैनात सुरक्षाकर्मियों को हटाया गया है। मंगलवार को ही हरीश चटर्जी रोड पर लगे कैंचीनुमा बैरिकेड जैसे कुछ अत्याधुनिक सुरक्षा इंतजामों को हटाया गया था और उनकी जगह मैनुअल रेलिंग लगा दी गई थीं। यह घटनाक्रम इस साल अप्रैल में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद सामने आया है। भाजपा ने 294 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें हासिल की थीं, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिलीं। इस बीच, राज्य के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि को अपना इस्तीफा भेज दिया है। दत्ता दिसंबर 2023 से एडवोकेट जनरल थे और इससे पहले 2017 से 2021 तक भी इस पद पर रह चुके थे।

ममता बनर्जी ने राहुल गांधी की बात नहीं सुनकर बड़ी गलती की: राउत

-कांग्रेस नेता ने जो कुछ भी कहा था वह सच साबित हुआ, वह दूरदर्शी नेता

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की निवर्तमान सीएम ममता बनर्जी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बात नहीं सुनकर और उनसे गठबंधन के संबंध में वार्ता ना करके बड़ी गलती की, वरना विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और ही होते। ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट पर बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। यहां पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत लोकतंत्र की जीत नहीं है, क्योंकि एसआईआर के जरिए लाखों मतदाताओं के नाम हटा दिए गए।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी और तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं की हार के बावजूद, इंडिया गठबंधन का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा था वह सच साबित हुआ। वह एक दूरदर्शी नेता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी ने भी एक समय अधिकांश राज्यों में जीत हासिल की थी, फिर भी उन्हें बाद में करारी हार का सामना करना पड़ा। राउत ने कहा कि बीजेपी भी इस समय शिखर पर है और भविष्य में उसे भी हार का सामना करना पड़ेगा।

राउत ने बुधवार को कहा कि ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। मैंने उनकी बातों को ध्यान से सुना और समझा। उन्होंने पहली बात यह कही कि चुनाव आयोग विलेन है और इसी विलेन ने चुनाव जीता है। दूसरी बात उन्होंने कही कि पोलिंग बूथों और काउंटिंग सेंटरों पर डराया-धमकाया गया, जो कि बहुत शर्मनाक था। ममता बनर्जी ने यह भी दावा किया है कि 100 विधानसभा सीटों पर धांधली हुई और लाखों नाम हटा दिए गए, उनके मुताबिक ये बातें सच हैं। उन्होंने कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनकी नैतिक जीत है और वह खुद को जीता हुआ मानती हैं। शिवसेना सांसद ने कहा कि ममता दीदी हमेशा से एक आंदोलनकारी रही हैं, चाहे वह सीएम हों, सत्ता में हों या विपक्ष में। सीएम रहते हुए भी वह ईडी और केंद्र सरकार जैसी एजेंसियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी हैं। अगर वह कह रही हैं कि वह इस्तीफा नहीं देंगी क्योंकि उन्हें लगता है कि वह हारी नहीं हैं, तो मैं इसे उनके विरोध के एक हिस्से के रूप में देखता हूं। यह एक आंदोलन है, सरकार के रवैये के खिलाफ एक तरह का प्रतिरोध है और मेरा मानना है कि ऐसा आंदोलन होना चाहिए।

बता दें पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने 207 सीटें जीती हैं, जबकि टीएमसी महज 80 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस को 2 सीटों पर जीत मिली है। पहली बार चुनाव में उतरी हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी को भी 2 सीटें मिलीं, जबकि लेफ्ट और एआईएसएफ के खाते में 1-1 सीट आई।

आईआरसीटीसी घोटाला : लालू परिवार पर आरोप तय करने का फैसला टला

-राउज एवेन्यू कोर्ट ने सुनवाई 22 मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को लेकर अहम कानूनी फैसला फिलहाल टल गया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को आरोप तय करने पर अपना फैसला स्थगित करते हुए अगली सुनवाई 22 मई तय की है। अब उसी दिन अदालत इस मामले में आगे की कार्रवाई पर निर्णय देगी।

इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती, हेमा यादव और तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले 16 अप्रैल को भी इस मामले में सुनवाई टल गई थी और अदालत ने 6 मई की तारीख निर्धारित की थी।

पूरा मामला भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के होटल टेंडर घोटाले से जुड़ा है, जो 2004 से 2014 के बीच का बताया जाता है। उस दौरान लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, आईआरसीटीसी के दो होटलों के संचालन और रखरखाव के लिए टेंडर प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन करते हुए एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। आरोप है कि इस टेंडर के बदले लालू परिवार से जुड़ी एक कंपनी को जमीन और अन्य आर्थिक फायदे दिए गए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का कहना है कि इस पूरे प्रकरण में पद का दुरुपयोग किया गया और टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं बरती गईं। सीबीआई ने 7 जुलाई 2017 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों को नामजद किया गया। इसके बाद दिल्ली, पटना, रांची और गुरुग्राम समेत कई शहरों में छापेमारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज जुटाए गए। हालांकि, लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि यह मामला राजनीतिक साजिश के तहत तैयार किया गया है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। अब इस मामले में 22 मई की सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं, जहां अदालत आरोप तय करने पर अंतिम फैसला सुना सकती है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा का संकल्प पत्र खड़ी करेगा चुनौतियां

बंगाल में वित्तीय चुनौतियों के बीच संतुलन की बड़ी परीक्षा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक युग का अंत हुआ है। 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस को बेदखल कर भाजपा ने राज्य की कमान संभाल ली है। इस बड़े राजनीतिक उलटफेर के बाद अब प्रदेश की जनता और आर्थिक विशेषज्ञों की नजरें नई सरकार के उन वादों पर टिकी हैं, जो भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र संकल्प पत्र में किए थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कर्ज और सीमित संसाधनों के दबाव में दबी राज्य की अर्थव्यवस्था इन महत्वाकांक्षी योजनाओं का बोझ कैसे उठाएगी।

भाजपा के संकल्प पत्र में किए गए वादों में सबसे प्रमुख महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये की प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता देना है। इस योजना का उद्देश्य कमजोर वर्गों को आर्थिक स्थिरता प्रदान करना है, लेकिन इसका सीधा असर राज्य के खजाने पर पड़ेगा। इसके साथ ही, लंबे समय से लंबित सातवें वेतन आयोग को लागू करने और महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का वादा सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत तो है, लेकिन इससे राज्य के राजस्व व्यय में भारी वृद्धि होना तय है। वर्तमान वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें तो बंगाल की नई सरकार के लिए राह आसान नहीं दिखती। वित्त वर्ष 2024-25 में राज्यों का राजकोषीय घाटा उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 3.6 प्रतिशत रहा है। हालांकि, आगामी वर्षों में इसके घटकर 2.9 प्रतिशत तक आने का अनुमान है, जो वित्तीय अनुशासन की ओर इशारा करता है, लेकिन यह सुधार नए और बड़े खर्चों के लिए पर्याप्त गुंजाइश नहीं छोड़ता।

राज्य की वित्तीय स्थिति में सबसे चिंताजनक पहलू कुल कर्ज का स्तर है, जो जीएसडीपी का लगभग 38 प्रतिशत बना हुआ है। यह उच्च स्तर दर्शाता है कि राज्य अपनी जरूरतों के लिए उधारी पर बहुत अधिक निर्भर है। इसके अलावा, राज्यों की अपनी कर आय उनकी कुल राजस्व प्राप्तियों का केवल 41 प्रतिशत ही है। यानी आधे से भी अधिक राजस्व के लिए केंद्र पर निर्भरता बनी हुई है। वर्तमान खर्च के ढांचे को देखें तो बजट का बड़ा हिस्सा राजस्व व्यय (वेतन, पेंशन और सब्सिडी) में चला जाता है, जबकि विकास कार्यों के लिए पूंजीगत व्यय केवल 4 प्रतिशत तक सीमित है। नई सरकार के सामने अब यह बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने लोक-कल्याणकारी वादों को पूरा करने के साथ-साथ विकास परियोजनाओं के लिए धन कैसे जुटाती है। वेतन संशोधन और नकद सहायता योजनाओं के लागू होने से विकास कार्यों के लिए वित्तीय जगह और भी कम हो सकती है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि नई सरकार वित्तीय अनुशासन और जन-आकांक्षाओं के बीच कैसे तालमेल बिठाती है।

बूंदी का सखावदा ग्राम विकास अधिकारी 25 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | बूंदी

राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच बूंदी जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम विकास अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी स्पेशल यूनिट कोटा ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए पंचायत सखावदा, पंचायत समिति केशवरायपाटन जिला बूंदी में कार्यरत ग्राम विकास अधिकारी सतवीर सिंह कुमावत को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। कार्रवाई के बाद पंचायत समिति परिसर में हड़कंप मच गया। एसीबी अधिकारियों के अनुसार आरोपी ग्राम विकास अधिकारी ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत सफाई कार्य करने वाले ठेकेदार से बिल पास करने, सिक्योरिटी राशि वापस दिलाने और अन्य कार्यों में परेशान नहीं करने की एवज में रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया।

शिकायत के बाद शुरू हुई जांच

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि 5 मई को परिवादी ने एसीबी स्पेशल यूनिट कोटा में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि वह पंचायत समिति केशवरायपाटन के अधीन ग्राम पंचायत सखावदा में स्वच्छ भारत अभियान के तहत कचरा संग्रहण, नाली सफाई और सामुदायिक परिसरों की सफाई का कार्य करता है। परिवादी ने बताया कि उसने दो माह के सफाई कार्यों के बिल ग्राम विकास अधिकारी को

सौंपे थे। बिल पास होने के बावजूद भुगतान जारी नहीं किया जा रहा था। आरोप है कि ग्राम विकास अधिकारी सतवीर सिंह कुमावत ने करीब 1 लाख 50 हजार 377 रुपए के बिलों का भुगतान करवाने, सिक्योरिटी राशि वापस दिलाने और अन्य टेंडर कार्यों में बाधा नहीं डालने के बदले 25 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीना के निर्देशन में एसीबी स्पेशल यूनिट कोटा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। इसमें पुलिस निरीक्षक पृथ्वीराज मीना सहित अन्य अधिकारियों को शामिल किया गया।

रिश्वत लेते ही दबोचा

गुरुवार को एसीबी टीम ने केशवरायपाटन पंचायत समिति परिसर में ट्रैप कार्रवाई की। जैसे ही आरोपी ग्राम विकास अधिकारी ने परिवादी से 25 हजार रुपए रिश्वत के रूप में लिए, टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान एसीबी अधिकारियों ने मौके से रिश्वत राशि भी बरामद की। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई जारी है। एसीबी की कार्रवाई की खबर फैलते ही पंचायत समिति परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कर्मचारियों और आम लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। कई लोग इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बता रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों और भुगतान में लंबे समय से अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में एसीबी की कार्रवाई से भ्रष्ट अधिकारियों में डर का माहौल बनेगा।

एसीबी की कार्रवाई लगातार जारी

राजस्थान में एसीबी लगातार भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई कर रही है। सरकारी विभागों में रिश्वतखोरी पर लगाम लगाने के लिए ब्यूरो की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। बूंदी में हुई इस कार्रवाई को भी भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी ग्राम विकास अधिकारी से पूछताछ जारी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने घटिया निर्माण पर ठेकेदारों को फटकारा

'गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं '-अधिकारियों को चेतावनी

रायपुर करेड़ा मार्ग के निरीक्षण से मचा हड़कंप

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी बुधवार को अचानक एक्शन मोड में नजर आईं। रायपुर में समारोह के बाद उन्होंने राजकीय राजमार्ग-75 पर भिंडर से रामगढ़ (वाया गंगापुर-रायपुर-करेड़ा) तक चल रहे सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी खामियां सामने आने पर उपमुख्यमंत्री का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने ठेकेदारों व संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई।

निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या घटिया सामग्री का उपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य तय समय-सीमा में और उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा कराया जाए।

दिया कुमारी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से कार्य की प्रगति रिपोर्ट भी ली और कहा कि जनता की सुविधा से जुड़े विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्माण कार्य में दोबारा लापरवाही मिली तो जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुदृढ़ीकरण कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा मिलेगी। इससे न केवल आवागमन आसान होगा बल्कि व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों में भी हड़कंप की स्थिति देखने को मिली। स्थानीय लोगों ने उपमुख्यमंत्री की इस सख्ती को जनहित में बड़ा कदम बताया।

जहाजपुर पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

उलेला में 2 किलो 899 ग्राम गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

मुखबिर की सूचना पर घर में की छापेमारी; थाना प्रभारी लोकपाल सिंह के नेतृत्व में हुई कार्रवाई, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

स्मार्ट हलचल

खजूरी/जहाजपुर। भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जहाजपुर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने खजूरी उप तहसील की उलेला ग्राम पंचायत में मुखबिर की सूचना पर छापेमारी कर 2 किलो 899 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

सूचना मिलते ही घर पर दी दबिशः

जहाजपुर थाना प्रभारी लोकपाल सिंह ने बताया कि उन्हें मुखबिर के जरिए गुप्त सूचना मिली थी कि उलेला गांव में एक युवक अवैध रूप से गांजे की तस्करी का कारोबार कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया और तुरंत चिह्नित जगह पर छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने उलेला निवासी गोविंद कुमार शर्मा (25) पुत्र चंद्र प्रकाश शर्मा के घर की सघन तलाशी ली।

पूरे नेटवर्क का लगाया जा रहा पताः

तलाशी के दौरान पुलिस को गोविंद शर्मा के घर से 2 किलो 899 ग्राम अवैध गांजा मिला, जिसे तुरंत जब्त कर लिया गया। पुलिस ने मौके से आरोपी गोविंद कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। एनडीपीएस (हस्तक्षेप) एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस अब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी यह मादक पदार्थ कहां से खरीदकर लाता था और क्षेत्र में किन-किन लोगों को सप्लाई करता था। इस कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप मच गया है।

बजरी भरे डंपर ने बाइक को मारी टक्कर एक की मौत दो घायल, मुआवजा राशि को लेकर किया धरना प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। नेशनल हाईवे 758 पर अगरपुरा गांव में बीती रात एक बड़ा ही दर्दनाक भीषण सड़क हादसा देखने को मिला, जहां बजरी लेकर जा रहे हैं एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को कुचल दिया, इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए, सुचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची । पुलिस ने बजरी भरे डंपर को जब्त कर थाने लाकर खड़ा किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू की । ग्रामीणों व परिजनों ने मुआवजा राशि को लेकर मोर्चरी के बाद धरना प्रदर्शन किया, प्रशासन और अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ और मुआवजा राशि पर सहमति बनने के बाद शव का पोस्टमार्टम किया गया । सदर थाना दीवान देवेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बुधवार देर रात नेशनल हाईवे पर अगरपुरा गांव में एक तेज रफ्तार बजरी से भरे डंपर

ने भीलवाड़ा से घर लौट रहे बाइक सवार तीन जनों को अपनी चपेट में ले लिया । इस दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार पौडरास निवासी किशन सिंह पिता नंद सिंह राणावत उम्र 25 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई । वही उनके ही परिवार मे भाई करण सिंह पिता शिव सिंह राणावत उम्र 28 वर्ष व नरेंद्र सिंह पिता शैतान सिंह राणावत उम्र 18 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए । घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया, जहां प्राथमिक उपचार जारी है । वहीं मृतक किशन सिंह के शव को जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में

रखवाया । जहां आज गुरुवार सुबह से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मुआवजा राशि को लेकर मोर्चरी के बाहर धरना प्रदर्शन करने लगे, सूचना पर पहुंचे प्रशासन और अधिकारियों ने ग्रामीण व परिजनों से समझाइश की, काफी देर समझाइश करने के बाद उचित कार्रवाई व मुआवजा राशि पर सहमति बनने पर शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द किया । पुलिस ने बजरी से भरे डंपर को जप्त कर थाने लाकर खड़ा किया, पुलिस ने देर रात मामला देख कर जांच शुरू की।

गमहिन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

दुर्घटना के शिकार हुए किशन सिंह का शव जैसे ही घर पहुंचा तो घर में कोहराम मच गया और हर तरफ चीज पुकार फुट पड़ी, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया, जो सुबह घर से हंसता खेलता काम पर गया वो कफन में लिपटकर घर पहुंचा । मृतक किशन सिंह दो भाइयों में छोटा है, उनका बड़े भाई भारतीय सेना में देश की रक्षा कर रहा । गुरुवार सायं को गमहिन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

अवैध बजरी खनन पर बड़लियास पुलिस की कार्रवाई, एक ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। बड़लियास थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चंवरा के बालाजी रोड़ पर अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर थाने लाकर खड़ा किया । थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देश पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में गुरुवार को बड़लियास थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन पर कार्रवाई करते हुए खारों का खेड़ा के पास चंवरा के बालाजी रोड़ पर

अवैध बजरी परिवहन जाने पर एक ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर प्रकरण दर्ज किया गया । पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के बजरी माफियों में हड़कंप सा मच गया । इस कार्रवाई में विजय सिंह, अशोक महिया व विनोद गढ़वाल आदि शामिल रहे।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी पर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया

स्मार्ट हलचल | फतेहपुर /खखरेरू

थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़िता की माता की तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के विरुद्ध संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी एक महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि बुधवार की रात गांव का ही एक युवक उनकी 17 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर और शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि युवक ने एक सुनसान स्थान पर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और किसी को बताने

पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया।परिजनों को घटना की जानकारी होने पर उन्होंने पुलिस को सूचित किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर प्राथमिक जांच के बाद आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस की टीमें आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पीड़िता को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेज दिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

व्याख्याता काउंसलिंग में शिक्षा विभाग द्वारा नियमों की अनदेखी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

नव पदोन्नत व्याख्याताओं की काउंसलिंग हेतु विभाग द्वारा जारी विभिन्न विषयों की रिक्तियों की सूचियों में नियमों को ताक पर रखकर डीपीसी किये जाने के विरोध में राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ (रेस्टा) के प्रदेशाध्यक्ष हरलाल गढ़वाल के नेतृत्व में मुख्य सचिव व अतिरिक्त मुख्य सचिव,शिक्षा निदेशक ,शिक्षा सचिव व राजस्थान सरकार के मंत्री श्री मदन दिलावर जी के नाम शिक्षा मंत्री के विशिष्ट सचिव को ज्ञापन देकर काउंसलिंग कार्यक्रम को तुरंत प्रभाव से स्थगित करने बाबत ज्ञापन दिया।

रेस्टा प्रदेश महामंत्री सुरेश बिश्नोई ने ज्ञापन सम्बंधित जानकारी देते हुए बताया कि नव पदोन्नत व्याख्याताओं के काउंसलिंग कार्यक्रम को तुरंत स्थगित किया जाए। काउंसलिंग हेतु जारी रिक्त पदों की संख्या शिक्षा विभाग ने बहुत कम जारी की है जिस से नव पदोन्नत व्याख्याताओ

में भारी आक्रोश है सरकार से अनुरोध है कि सभी जिलों के सभी रिक्त पदों को खोला जाए जिससे नव पदोन्नत व्याख्याताओ को नजदीक पदस्थापन मिल सके।

जिसके निम्न कारण हैं - 1. वाइस प्रिंसिपलों को व्याख्याता पदों से अधिशेष मानते हुए इन पदों को व्याख्याता काउंसलिंग में शामिल किया जाए। 2. काउंसलिंग हेतु रिक्त पदों की संख्या उन विषयों में नव पदोन्नत व्याख्याताओ के कुल पदों का 120% खोला जाए जो कि हर डीपीसी में खोलते हैं फिर नव पदोन्नत व्याख्याताओ के साथ यह भेदभाव क्यों किया? इतिहास, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, हिंदी व राजनीतिक विज्ञान में रिक्त पदों की संख्या 120% के अनुसार नहीं है। 3. भौतिक विज्ञान जैसे विषय में गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू जिलों के एक भी रिक्त पद नहीं खोला जबकि गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर जिले में भौतिक विज्ञान विषय के शाला दर्पण पर रिक्त पद 143 आज दिनांक तक खाली हैं। 4. काउंसलिंग कार्यक्रम में सभी जिलों में रिक्त पदों की संख्या 120% के अनुसार खोलकर ही काउंसलिंग करवाई जाने सहित इन सभी मांगो को लेकर संघ द्वारा ज्ञापन दिया गया।

उक्त सभी बातों व डीपीसी नियमों को ध्यान में रखकर डीपीसी नहीं करवाये जाने पर प्रदेशभर के सभी नव पदोन्नत व्याख्याताओं द्वारा रेस्टा के बैनर तले आक्रोश प्रदर्शन किए जायेंगे।

दलित युवक की बिन्दोली रोकने के चार आरोपी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। जिले के राशमी थाना क्षेत्र के गणेशपुरा (हाडाखेड़ी) गांव में एक दलित युवक की बुधवार शाम को निकाली गई बिन्दोली में व्याधान उत्पन्न करने वाले चार व्यक्तियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार राशमी थाना क्षेत्र के गणेशपुरा गांव में एक दलित युवक की बुधवार शाम को निकाली जाने वाली बिन्दोली में कुछ लोगों के व्याधान उत्पन्न करने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। दूल्हे की बिन्दोली गांव में शांतिपूर्वक निकाली गई। बिन्दोली जब गांव स्थित चारभुजा मंदिर के बाहर पहुंची, तब कुछ व्यक्तियों द्वारा दूल्हे को घोड़ी से उतरने को कहा गया। मौके पर मौजूद पुलिस बल द्वारा समझाइश कर स्थिति को नियंत्रित किया गया तथा बिन्दोली को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाया गया। इसके साथ ही रात्रि गश्त हेतु भी पुलिस बल तैनात किया गया। मामले में उच्च अधिकारियों के निर्देश पर बिन्दोली में व्याधान उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर त्वरित कार्यवाही के निर्देश पर थानाधिकारी रतन सिंह द्वारा बिन्दोली के दौरान आम शांति भंग कर व्याधान उत्पन्न करने वाले देवेन्द्र सिंह उर्फ पप्पू सिंह पुत्र नंद सिंह राजपूत, गणेश सिंह पुत्र भंवर सिंह राजपूत, भंवरपुरी पुत्र रामपुरी गोस्वामी व प्रभुलाल पुत्र छोगालाल जाट को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पाबंद करवाया गया।

लाडपुरा में 'ग्राम रथ' से जागी जनचेतनाः 13 विभागों की योजनाओं का गांव-गांव हो रहा प्रचार, सुझाव आमंत्रित

कला जत्थों और संवाद के देसी अंदाज ने जीता ग्रामीणों का दिल

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की ओर से संचालित 'किसान समृद्धि' एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जन जागरूकता विकास रथ (ग्राम रथ) गांव-गांव पहुंच रहा है। गुरुवार को यह विकास रथ ग्राम पंचायत श्यामगढ़ और लाडपुरा पहुंचा, जहां ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक इसका स्वागत किया। रथ के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई और पात्र लोगों को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस डिजिटल दौर में भी

पारंपरिक 'कला जत्था' और संवाद के देसी अंदाज ने ग्रामीणों का दिल जीत लिया है। कार्यक्रम के दौरान लोक कलाकारों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए सरकारी योजनाओं को बहुत ही सरल भाषा में समझाया। इसके अलावा रथ में लगी मोबाइल एलईडी (स्क्रीन) वैन के माध्यम से योजनाओं के वीडियो दिखाए गए। प्रचार-प्रसार सामग्री और साहित्य का भी वितरण किया गया, जिससे ग्रामीण अब सीधे अधिकारियों से मिलकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर रहे हैं।

एक साथ 13 सरकारी विभागों का संगमः

ग्राम विकास अधिकारी रति राम मीणा ने बताया कि ग्राम रथ के माध्यम से एक साथ 13 प्रमुख विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इनमें मुख्य रूप से कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायतीराज और ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, रथ के साथ एक 'सुझाव पेटिका' भी रखी गई है, जिसमें ग्रामीण बेझिझक अपने लिखित सुझाव दे रहे हैं।

इनकी रही उल्लेखनीय उपस्थितिः

इस जागरूकता कार्यक्रम में ग्राम विकास अधिकारी रति राम मीणा, ग्राम पंचायत प्रशासक प्रकाश कंवर शक्तावत, सहकारी समिति व्यवस्थापक कैलाश चंद्र तेली, कृषि पर्यवेक्षक रामेश्वर गुर्जर, भाजपा ग्रामीण मंडल महामंत्री मोहन सिंह शक्तावत, पशुधन निरीक्षक देवेंद्र शर्मा, एएनएम लाजवंती कोली, कनिष्ठ सहायक भागीरथ मीणा और भारतीय किसान संघ के चांदमल माली सहित कई जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा नर्सेज संगठन की हुई बैठक, 12 मई को नर्सेज दिवस के उपलक्ष में सेवा सप्ताह मनाने का हुआ निर्णय

समस्त नर्सेज को पीले चावल देकर करेंगे आमंत्रित

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

महात्मा गाँधी चिकित्सालय मे भीलवाड़ा नर्सेज संगठन के बैनर तले राजस्थान नर्सेज यूनियन जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट की अध्यक्षता मे मीटिंग आयोजित हुई जिसमे 12 मई अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस को सेवा सप्ताह के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया 7 राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के संरक्षक फरीद मोहम्मद ने बताया की 8 मई को विश्व थैलेसीमिया दिवस पर नर्सेज संगठन बच्चों के साथ रहकर उनको शीतल पेय पिलाकर कार्यक्रम का आगाज करेंगे एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पोस्टर का विमोचन जिला कलेक्टर भीलवाड़ा द्वारा करवाया जाएगा । यूनियन के संयोजक अमित व्यास ने बताया की बैठक मे

सर्वसम्मिति से सभी पदाधिकारीयो को अलग अलग जिम्मेदारी दीं गई जिसमे संरक्षक फरीद मोहम्मद को कार्यक्रम मे फ्लोरन्स नाईट एंगल की मूर्ति की सजावट, हितेश लक्षकार को रक्तदान शिविर का प्रभारी, गिरिराज लड्ढा और सिराज खान को टेंट संबंधित जिम्मेदारियां सोंपी गई। यूनियन जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट ने बताया की सेवा सप्ताह के तहत 9 मई को भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षीयो के लिए परिंडे बांधे जायेंगे, 10 मई को मदर्स दिवस पर मिल्क बैंक में माताओ का विशेष सम्मान किया जायेगा, एवं 11 मई को वृक्षरोपण के बाद मरीजों और परिजनों को गर्मी से राहत के लिए छाछ वितरण कार्यक्रम किया जायेगा और 12 मई को विश्व नर्सेज दिवस पर 61 नर्सेज को लाइफटाइम नर्सेज डे अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम में. मेडिकल. कॉलेज और महात्मा गाँधी चिकित्सालय में कार्यरत. समस्त नर्सेज को उपस्थित होने और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कल प्रत्येक वार्ड में वार्ड इंचार्ज को भारतीय संस्कृति के अनुसार पीले चावल देकर आमंत्रित किया जायेगा द्य. इस. अवसर पर ' शहर अध्यक्ष लाल सिंह राठौड़. के रामजस चौधरी, उपाध्यक्ष करण सिंह सिसोदिया, दिनेश खटीक, ललित जीनगर, सिराज खान, सुनील व्यास, भागचंद धाकड़, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर विनोद सोनी, काशीराम नायक, पवन सिंघल, प्रेम सोलंकी, मुकेश मौर्य, दिनेश तिवारी, अनीता चौधरी, अनीता खोईवाल, रीना चंदेल, लीला माली, ललिता छीपा, विमला व्यास सहित कई नर्सिंग ऑफिसर उपस्थित थे।

जहाजपुर में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शनः 'संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान में धीरज गुर्जर ने भरा कार्यकर्ताओं में जोश

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और सरकार की विफलताओं को घर-घर पहुंचाने का आह्वान; विधानसभा प्रभारी ने लिया फीडबैक

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के 'संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान के तहत जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर ने शिरकत कर कार्यकर्ताओं में नया जोश भरा और संगठन को बूथ स्तर तक अभेद्य बनाने का आह्वान किया।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा ही कांग्रेस की विचारधारा:

बैठक को संबोधित करते हुए एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा ही देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने निजी स्वार्थ छोड़कर पूरी तरह से संगठन विस्तार में जुटने की अपील की। गुर्जर ने जोर देते हुए कहा कि आगामी चुनावों में बूथ स्तर की मजबूती ही पार्टी की जीत का मुख्य आधार बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वे जनता के ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाएं और मौजूदा सरकार की विफलताओं को गांव-गांव व घर-घर तक पहुंचाएं।

प्रभारी ने लिया फीडबैक, बनी आंदोलन की रणनीति:

इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी शक्ति सिंह ने भी क्षेत्र की संगठनात्मक स्थिति पर विस्तार से फीडबैक लिया और जमीनी स्तर पर पार्टी को और अधिक मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं से सुझाव मांगे। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ मैनेजमेंट, लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए विशेष जनजागरण अभियान चलाने तथा स्थानीय जनहित के मुद्दों पर बड़े आंदोलन की रणनीति पर गंभीरता से चर्चा हुई।

बड़ी संख्या में उमड़े कार्यकर्ता:

बैठक के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ब्लॉक पदाधिकारियों और कांग्रेस के सभी अग्रिम संगठनों के पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने विचार रखे। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि 'संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का एक बड़ा संकल्प है। इस बैठक में शक्ति प्रदर्शन के रूप में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी और आमजन उपस्थित रहे।

संगठन की शक्ति उसके कार्यकर्ताओं और मजबूत संगठनात्मक ढांचे में निहित हैं : मंडल अध्यक्ष खोईवाल

भाजपा शास्त्री मंडल की बैठक संपन्न, कार्यकर्ताओं के दम पर बनेगा संगठन आत्मनिर्भर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी शास्त्री मंडल की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष रमेश चंद्र खोईवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की शक्ति उसके कार्यकर्ताओं और मजबूत संगठनात्मक ढांचे में निहित है। उन्होंने संगठन को आत्मनिर्भर बनाने और प्रत्येक बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक में जिला मंत्री लादू लाल जाट ने संगठनात्मक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आईटी संयोजक अजय नौलखा, मंडल महामंत्री हरीश सालवी व शंकर लाल जाट ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिसोदिया, पिंटू राव, राजकुमार घावरी, स्नेहलता पटवारी, निर्मला सोनी, कन्हैया सेन, मंडल मंत्री यशोवर्धन सेन, कमल वेशनानी, शिवानी भरावा, भूपेंद्र कुदाल, शिवप्रकाश चन्नाल एवं मंडल कोषाध्यक्ष विनोद खोईवाल सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के अंत में आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय की गई। कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाने में सेतु का कार्य करें।

श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर पर धूमधाम से चढ़ाई धर्म ध्वजा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के समीप सुवाणा कस्बे में स्थित श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर के शिखर पर गुरुवार प्रातः अभिजीत मुहूर्त में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ सुवाणा के अध्यक्ष सुशील कुमार, जितेश कुमार एवं अंशुल कुमार चपलोत परिवार की ओर से धर्म ध्वजा चढ़ाई गई।

इससे पूर्व विधि-विधान के साथ ध्वज दण्ड एवं धर्म ध्वजा की पूजा-अर्चना तथा अभिषेक किया गया। धर्म ध्वजा को लाभार्थी परिवार द्वारा अपने निवास स्थान से ढोल-नगाड़ों एवं गाजे-बाजे के साथ सिर पर धारण कर मंदिर परिसर तक लाया गया। इसके पश्चात मंत्रोच्चार के बीच ध्वज दण्ड एवं धर्म ध्वजा को मंदिर शिखर पर स्थापित किया गया।

जैन समाज के उपाध्यक्ष प्रकाश चपलोत जैन ने बताया कि वर्ष 2020 में मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य निपुण रत्न सागर जी महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ था। तब से अब तक छह बार धर्म ध्वजा चढ़ाई जा चुकी है। पूर्व में धर्म ध्वजा चढ़ाने वाले प्रमुख परिवारों में प्रताप सिंह एवं हनी बुलिया (भीलवाड़ा), सुरेन्द्र कुमार एवं राहुल कुमार चपलोत (सुवाणा), भंवरलाल एवं सुशील कुमार, सुभाष चन्द्र पोखरना (कोटड़ी), शंकरलाल एवं नरेश कुमार नाहटा (भीलवाड़ा), फतेह सिंह एवं देवेंद्र सिंह चौधरी (नन्दराय) तथा सागरमल एवं रविन्द्र कुमार चपलोत (सुवाणा) परिवार शामिल रहे। वहीं वर्ष 2027 की आगामी धर्म ध्वजा गणपतलाल, देवकीनन्दन एवं मोनू इटोदिया परिवार की ओर से चढ़ाई जाएगी। धर्म ध्वजा चढ़ाने के पश्चात भगवान पार्श्वनाथ, नाकोड़ा भैरवनाथ मंदिर, पद्मावती माता एवं मंगल मूर्तियों की आरती की गई। इसके साथ ही आगामी वर्षभर में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों के लिए बोलियां लगाई गईं।

आर.एन.टी.विधि महाविद्यालय में मनाई रवींद्रनाथ टैगोर की जयन्ती

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

गांधीनगर सेक्टर नम्बर-5,स्थित आर.एन.टी. विधि महाविद्यालय में रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती मनाई गई। कॉलेज समन्वयक गौरव त्यागी एवं प्राचार्य डॉ.मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि रवीन्द्रनाथ टैगोर को गुरुदेव के नाम से जाना जाता है।वह एक प्रसिद्ध कवि,लेखक,नाटककार,संगीतकार,दार्शनिक, समाज सुधारक और चित्रकार थे।इस अवसर पर स्थानीय आर.एन.टी.विधि महाविद्यालय में रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी विधि व्याख्याता जफ्फर हुसैन वैलिम ने बताया कि रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविख्यात कवि, साहित्यकार, दार्शनिक थे,जिन्होंने प्रासंगिक आधुनिकतावाद के साथ बंगाली साहित्य और संगीत के साथ-साथ भारतीय कला को भी नया रूप दिया। उनका जन्म 07 मई,1861 को कोलकाता में माता-पिता देवेंद्रनाथ टैगोर और शारदा देवी के घर हुआ था। इसी क्रम विधि व्याख्याता ज़मीर आलम ने बताया कि टैगोर को प्रकृति को सानिध्य काफी पसंद था,उनका मानना था कि छात्रों को प्रकृति के सानिध्य में शिक्षा हासिल करनी चाहिए। अपनी इसी सोच को ध्यान में रख कर उन्होंने शांति निकेतन की स्थापना की थी। 1913 में गीतांजलि के लिए साहित्य में

नोबेल पुरस्कार जीतने वाले टैगोर पहले भारतीय व्यक्ति थे।इस जयंती अवसर पर विधि व्याख्याता अमित कोहली ने टेगौर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए यह बताया की रवींद्रनाथ अपने माता-पिता की तेरहवीं संतान थे। बचपन में उन्हें प्यार से 'रबी' बुलाया जाता था।आठ वर्ष की उम्र में उन्होंने अपनी पहली कविता लिखी, सोलह साल की उम्र में उन्होंने कहानियां और नाटक लिखना प्रारंभ कर दिया था। इसी क्रम में विधि व्याख्याता मेहा दाड ने गुरुदेव के बारे में यह बताया कि गुरुदेव लंदन बैरिस्टर की उपाधि डिग्री कर भारत में आकर इन्होंने समाज में जाति ,रंग,अमीरी,गरीबी के आधार पर जो भेदभाव किया जा रहा था,उसको दूर करने का आदत प्रयास किया। कार्यक्रम में विधि विद्यार्थी हर्षवर्धन सिंह चौहान ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार रखें।

वरिष्ठ अधिवक्ता बी.एल.पोखरना, व्याख्याता गजेंद्र जोशी, सोनिया राजौरा, डॉ. प्रियंका शर्मा, डॉ.अनिल कुमार, सोनू कुमार मेघवंशी, ललित कुमार मीणा, दीपक शर्मा आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की।कार्यक्रम का संचालन विधि व्याख्याता जफ्फर हुसैन वैलिम ने किया।

राजस्थान जन मंच की जिला कार्यकारिणी घोषित

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान जन मंच की जिला कार्यकारिणी की घोषणा संकट मोचन हनुमान मंदिर में महामंडलेश्वर बाबू गिरी महाराज के सानिध्य में की गई। अध्यक्ष कैलाश सोनी ने शिवप्रकाश चन्नाल, जयनारायण जोशी, रामचंद्र मूंदड़ा और जगदीश सेन को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया। वहीं रोहित भरावा, सौरभ काबरा, भानु सालवी व देवेंद्र सिंह नाथावत को जिला मंत्री बनाया गया। कमलेश भारती को सोशल मीडिया प्रभारी तथा सुभाष गोयल को जिला संपर्क प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जन समस्याओं को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने ईओ से की मुलाकात

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

गंगापुर शहर की विभिन्न जन समस्याओं को लेकर आज कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल नगर पालिका अधिशासी अधिकारी पंकज कुमार मंगलम से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने शहर में बिगड़ती सफाई व्यवस्था, नालियों की सफाई नहीं होने तथा सड़कों पर बह रहे गंदे पानी की समस्या को प्रमुखता से उठाया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बोर्ड कार्यकाल समाप्त होने के बाद नगर पालिका द्वारा गौशाला में हरे चारे की व्यवस्था तथा श्मशान में शवदाह हेतु लकड़ियों की सुविधा बंद कर दी गई है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बैठक के दौरान पूर्व पार्षदों ने अधिशासी अधिकारी से इन समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की। श्मशान में लकड़ियां पुनः शुरू करने के विषय में अधिकारी द्वारा प्रारंभ में आनाकानी की गई, लेकिन पूर्व पार्षदों के आग्रह के बाद उन्होंने इस विषय पर पुनर्विचार करने का आश्वासन दिया। वहीं निराश्रित गौवंश को गौशाला में शिफ्ट करने की मांग भी रखी गई।

पूर्व पार्षद बंसीलाल रेगर ने हाथ जोड़कर अधिशासी अधिकारी से निवेदन करते हुए कहा कि श्मशान में लकड़ियां एवं गौशाला में हरे चारे की व्यवस्था पुनः शुरू की जाए, क्योंकि यह धर्म और मानवता से जुड़ा कार्य है।

अधिशासी अधिकारी पंकज कुमार मंगलम ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि सात दिवस के भीतर समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा।

इस दौरान पूर्व पार्षद बंसीलाल रेगर, गोपाल जीनगर, गजेंद्र माली, रामप्रसाद माली नाथूलाल राधेश्याम शर्मा कपिल सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

आर-कैट क्विज़-ए-थॉन मई 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ

तकनीकी कोर्सेज में मिलेगी 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

राजस्थान सरकार की पहल, राजस्थान सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आर-सीएटी) ने अपने आगामी क्विज़-ए-थॉन मई 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को उभरती हुई तकनीकों (इमर्जिंग टेक्नोलॉजिस) में प्रशिक्षित कर उन्हें उद्योग के लिए तैयार करना है।

प्रभारी अधिकारी जीवनराम मीना ने बताया कि क्विज़-ए-थॉन में सफल होने वाले छात्रों को आर-कैट द्वारा संचालित प्रीमियम तकनीकी पाठ्यक्रमों जैसे डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, सिस्टम एडमिंस्ट्रेशन, बिज़नेस एनालिस्ट और यूआई डिज़ाइन आदि पर 100 प्रतिशत तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। स्नातक, तकनीकी स्नातक, स्नातकोत्तर या आईटी क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस क्विज़ में भाग ले सकते हैं। परीक्षा में मुख्य रूप से लॉजिकल रीजनिंग और एप्टीट्यूड से संबंधित सवाल पूछे जाते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट आरसीएटी-राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर या अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 13 मई 2026 है तथा परीक्षा 20 मई से 22 मई 2026 तक उदयपुर के विभिन्न कॉलेजेस में आयोजित की जाएँगी।

महिला सांवरिया शाखा का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

नव निर्वाचित कार्यकारिणी ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ, महिला सशक्तिकरण पर दिया विशेष संदेश

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

अखिल मारवाड़ी महिला सम्मेलन सांवरिया शाखा का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को उत्साह और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश स्तरीय अतिथियों का शाखा की बहनों द्वारा संगीतमय शाही अंदाज में पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेशाध्यक्ष अंबिका हेड़ा, प्रदेश सचिव रागिनी खंडेलवाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष सुनीता बडाया एवं प्रदेश पर्यावरण प्रमुख सुषमा खंडेलवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात सामूहिक प्रार्थना गान प्रस्तुत किया गया।

गोदावरी ग्रुप द्वारा भारतीय संस्कृति और देशभक्ति से ओतप्रोत स्वागत नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसने सभी का मन मोह लिया। शाखा कार्यकारिणी एवं प्रदेश सदस्यों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ, पगड़ी, उपरना एवं पौधा भेंट कर अभिनंदन किया। सलाहकार समिति प्रमुख मंजू तोषनीवाल एवं प्रदेश संबंध समन्वय प्रमुख लीला आगाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए संगठन की गतिविधियों एवं महिला सहभागिता पर प्रकाश डाला।

प्रदेशाध्यक्ष अंबिका हेड़ा ने अपने संबोधन में महिलाओं को संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने

'संस्कार ही धरोहर' विषय पर बोलते हुए बच्चों की शिक्षा, पारिवारिक मूल्यों एवं सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर दिया। साथ ही आगामी सत्र में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए सदस्यों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रस्तुति देकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया गया। प्रदेशाध्यक्ष द्वारा नव निर्वाचित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इसमें अध्यक्ष आशा पोखरना, सचिव डॉ. रेनू सोमानी, उपाध्यक्ष संगीता कलंत्री, कोषाध्यक्ष रीना जागेटिया, बाल विकास प्रमुख अर्पना अरोड़ा, तकनीकी प्रमुख हिना अजमेरा, जनसंपर्क प्रमुख बबीता विजयवर्गीय, पर्यावरण प्रमुख नेहा न्याती, संबंध समन्वय प्रमुख प्रियंका नाराणीवाल, संस्कार संस्कृति प्रमुख प्रियंका आगाल, कार्यालय संगिनी स्नेहलता सोमानी एवं नेत्र-अंगदान प्रमुख निशा मंडोवरा शामिल रहीं।

इस अवसर पर सभी ग्रुप लीडर्स का उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेनू सोमानी ने किया। अंत में नव निर्वाचित अध्यक्ष आशा पोखरना ने कार्यक्रम की सफल आयोजन में सहयोग करने वाली सभी बहनों का आभार व्यक्त किया।

आई पी एस किशन सहाय मीणा के ऊपर लगाए गए झूठे आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग

मीणा समाज ने जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन।

स्मार्ट हलचल | बूंदी

अखिल भारतीय मीणा समाज विकास समिति जिला बूंदी की ओर से जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा छरकवाड़ा के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर बूंदी को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया कि आई पी एस किशन सहाय मीणा के ऊपर लगाए गए आरोप निराधार ओर झूठे हैं इसलिए आरोपों की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाया जाय एवं ऐपीओ आदेश को निरस्त कर पदस्थापन किया जाए। मीणा समाज द्वारा बताया कि शीघ्र न्याय नहीं मिलता है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने में जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, सचिव रामस्वरूप मीणा,तहसील अध्यक्ष शोभागमल मीणा,तुलसीराम मीणा,भंवरलाल मीणा उपाध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज मीणा, हरिप्रसाद कावरिया, छोटूलाल मीणा रजवास ,उपाध्यक्ष मुकेश मीणा ,अमरलाल मीणा तहसील अध्यक्ष हिंडोली, रामस्वरूप मीणा कोषाध्यक्ष, देवराज मीणा एडवोकेट आदि लोग मौजूद रहे।

'ड्रीम्स टू डेस्टिनी' कार्यक्रम में सपनों को मिली नई उड़ान

सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को मिला फाइव स्टार अनुभव और कॅरियर गाइडेंस

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के सपनों को नई दिशा देने वाले 'ड्रीम्स टू डेस्टिनी' कार्यक्रम का गुरुवार को सफल आयोजन हुआ। ताज फतेह प्रकाश पैलेस एवं सैंडी ट्रैवेल टेल्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विशेष पहल में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वरडा एवं धार के 35 विद्यार्थियों ने भाग लेकर फाइव स्टार होटल का अनूठा अनुभव प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने होटल इंडस्ट्री, हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट और प्रोफेशनल कार्यसंस्कृति को करीब से देखा और समझा। आलीशान माहौल में पहुंचकर बच्चों के चेहरे उत्साह और खुशी से खिल उठे। कई विद्यार्थियों ने इसे अपने जीवन का 'पहला और यादगार अनुभव' बताया।

कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण लेफ्टिनेंट रक्षा राठौड़ रहीं, जिन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरणादायी संबोधन देते हुए बड़े सपने देखने, अनुशासन अपनाने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने सेना में अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य तय कर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। वहीं ताज फतेह प्रकाश के जीएम देवव्रत सिंह ने भी बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें भविष्य में हॉस्पिटैलिटी और सेवा क्षेत्र में संभावनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में ख्यातनाम फैशन डिजाइनर विशाल राठौड़, राउमावि धार के प्राचार्य डॉ. सत्यनारायण सुथार, राउमावि वरड़ा के प्राचार्य संदीप आमेटा, सृजनधर्मी शिक्षक एवं शिल्पकार हेमंत जोशी, क्राफ्ट आर्टिस्ट नीलोफर मुनीर सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और करियर जागरूकता के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम संयोजक संदीप राठौड़ ने कहा कि 'ड्रीम्स टू डेस्टिनी' का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को नए अनुभवों से जोड़कर उनके भीतर आत्मविश्वास और बड़े सपने देखने का साहस जगाना है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने इस अनूठे अनुभव के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

कन्या किशोर कौशल अभिवर्धन शिविर संपन्न

स्मार्ट हलचल

गुरला। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरडोद में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में आज गायत्री शक्तिपीठ महिला मंडल भीलवाड़ा द्वारा कन्या किशोर कौशल अभिवर्धन शिविर आयोजित किया गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार भीलवाड़ा की जिला समन्वयक सरोजना व्यास ने शिविर की आवश्यकता व्यक्तित्व परिष्कार पर अपनी वार्ता प्रस्तुत करते हुए केवल शिक्षा ही नहीं विद्या भी सीखने पर बल दिया। प्रज्ञा युवा मंडल सदस्य सत्यनारायण व्यास ने किशोर और किशोरी में श्रेष्ठ संस्कारों का होना नितांत आवश्यक है,पर जोर देते हुए दिव्य संस्कारों को आत्मसात करने हेतु एक गीत का वाचन भी कराया। आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी के प्रांतीय समन्वयक डॉक्टर राधेश्याम श्रोत्रिय ने विभिन्न प्राणायामों को कराते हुए महत्व बताया और विशेष रूप से आत्मबोध, तत्वबोध व सोहम साधना का अभ्यास कराया। संस्था प्रधान प्रधानाचार्य विवेक सक्सेना ने बताया कि शिविर के आयोजन द्वारा छात्र-छात्राओं में श्रेष्ठ संस्कारों का बीज रोपण हुआ और वे राष्ट्र हित हेतु प्रोत्साहित हुए। विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका ममता जीनगर, चैना सोनी,ममता भील सुमन जाटोलिया दिनेश प्राप्त आदि ने शिविर की सफलता में अपना सहयोग प्रदान किया।

सीएचसी में जिम्मेदार कर्मचारी ने सीएमएचओ के आदेशों की उड़ाई धज्जियां

बाहर की दवाई लिखने वाले कर्मचारियों की रजिस्टरो की जांच की जा रही हैं व फुटेज खंगाले जा रहे है

जिम्मेदार कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई करेंगे

स्मार्ट हलचल

दौसा सीएमएचओ सीताराम मीणा के आदेशों उड़ रहे हैं हवाओ में, कुण्डल सीएचसी हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने सीएमएचओ के आदेशों की जा रही हैं अवहेलना, फिर मिली भरपूर कमियां जांच कमेटी ने किया कुण्डल समुदाय स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

दौसा। बुधवार को कुण्डल सीएचसी हॉस्पिटल में चार सदस्य कमेटी ने कुण्डल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के ऊपर रखी हुई टंकियों की सफाई पिछले कई वर्षों से नहीं हुई यानी 19/11/2020 को की गई थी करीब 5 साल से उपर हो गई और ऊपर रखी हुई टंकियां में काला दूषित पानी भरा हुआ मिला जो की एक गंभीर बीमारी का मूल कारण बना हुआ है।

जबकि चिकित्सा विभाग के द्वारा समय-समय पर निरीक्षण करने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन जब चिकित्सा अधिकारी सरकारी सीएचसी अस्पतालों में पहुंचते हैं तो वहां की हालत कुछ और ही बताई जाती है जब कुण्डल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चार सदस्य कमेटी टीम ने निरीक्षण किया तो उसमें बहुत सी बड़ी कमियां सामने आई है ।

जबकि चार सदस्य कमेटी ने आने से पानी की टंकियां का जब निरीक्षण किया तो उन टंकियां में कीड़े मकोड़े भी पड़े हुए थे और लगातार गंदगी का आलम बना हुआ था। जबकि दौसा सीएमएचओ डॉ सीताराम मीणा के द्वारा दो बार निरीक्षण करने के बाद भी हालत जैसे के तैसे बने हुए हैं । यानी कि सीएमएचओ के आदेशों को हवाओ में ही कर रखा हैं कुण्डल सीएचसी हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने, पूरी तरह से लड़खड़ाती नज़र आ रही हैं सीएचसी की व्यवस्थाएं । कुण्डल सीएससी में डॉक्टरों की कमी सबसे बड़ी कमी है इस दौरान किरण देवी (आशा सुपरवाईजर) को भी स्कूलों में जाकर बच्चियों को टीका लगवाने के लिए बोला गया।

जबकि इन दिनों तेज गर्मी के कारण लगातार मौसमी बीमारियों में बढ़ोतरी हो रही है और लगातार मौसमी बीमारियों के पेशेंट बढ़ रहे हैं। जिनको मौसमी बीमारियों को लेकर भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गंभीर नजर नहीं आ रहा है । और जबकि कुण्डल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर छह डॉक्टरों के पद खाली हैं तो फिर भारती मौसमी बीमारियों का ईलाज आखिर कौन करेगा, या फिर उन मरीजों का जिम्मेदार कौन रहेगा। अब देखना ये है कि क्या कुण्डल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुधार होगा या नहीं ये तो आने वाला समय बतायेगा।

इस दौरान चार सदस्य की टीम में डिप्टी सीएमएचओ डॉ दीपक शर्मा ने बताया कि बाहर से दवाई मंगवाने के लिए जो भी डॉक्टर पर्ची लिख रहा है। उनकी लिखी हुई पर्चियां के आधार पर हम जांच कर रहे हैं और जो भी दोषी कर्मचारियों होगा हम उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

और ग्रामीणों के द्वारा लगातार साफ सफाई का मुद्दा उठाया जा रहा है उसको भी गंभीरता से लिया जा रहा है । उसमें जो सफाई ठेकेदार उसको 3 दिन का समय देकर नोटिस जारी करने का आदेश दिए, डिप्टी सीएमएचओ दीपक शर्मा द्वारा दिया गया है । इस दौरान अस्पताल परिसर में खाली पड़ी हुई शराब की बोतल भी मिली, और कचरा भी मिला।

इस दौरान चार सदस्य कमेटी में डिप्टी सीएमएचओ दीपक शर्मा डॉक्टर संदीप शारदा वह ब्लॉक सीएमएचओ डॉक्टर अमित राय व डॉक्टर हरिमोहन शर्मा की टीम ने कुण्डल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर जांच पड़ताल की गई और जो भी इनमें दोषी कर्मचारियों होगा उन पर कारवाही का भरोसा दिया।

कुमावत युवा शक्ति ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

राज्य में स्थापत्य कला बोर्ड का पुनर्गठन करने एवं आगामी जनगणना में कुमावत जाति के उल्लेख सहित राजस्थान में कुमावत समाज के उचित प्रतिनिधित्व की विभिन्न मांगों को लेकर राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवाशक्ति समिति चित्तौड़गढ़ द्वारा गुरूवार 7 मई को मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

समिति के लक्ष्मीनारायण बड़वाल ने बताया कि प्रस्तुत ज्ञापन में सरकार के समक्ष अपनी 5 सूत्रीय मांगें रखी जिन पर कार्रवाई की मांग की गई जिनमें समाज की ऐतिहासिक शिल्पकला के संरक्षण हेतु स्थापत्य कला बोर्ड का पुनर्गठन करते हुए शीघ्र ही अध्यक्ष नियुक्त करने, कुमावत जाति की सही संख्यात्मक स्थिति के लिए जनगणना में अलग कॉलम दिये जाने की मांग की गई। समिति ने स्पष्ट किया कि शीघ्र की समस्या निराकरण नहीं होने पर प्रदेश भर में जिला स्तर पर उग्र आंदोलन, धरना-प्रदर्शन किये जाएंगे जिसका असर आने वाले चुनावों में दिखेगा। उन्होंने बताया कि कुमावत जाति की अपनी स्वतंत्र पहचान है और अपने अधिकारों से अब और वंचित नहीं रहेंगे।

इस मौके पर पूर्व प्रदेश मंत्री आनंद अजमेरा, जिलाध्यक्ष हेमन्त कुमावत, रमाकांत नाहर, रितेश नाहर, राजकुमार लाड़ना, हेमंत मोरवाल, शंकरलाल ओस्तवाल, रोहित मोरवाल, रतन मंडोवरा लोकेश नाहर, प्रकाश पालड़िया, पुष्कर ओस्तवाल, शुभम, उत्पल नाहर, दिनेश पालड़िया, मनीष नाहर, दिलखुश कड़वाल, राधेश्याम जाजपुरा सहित कई समाजजन मौजूद रहे।

आरएसएसबी प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा 9 व 10 मई को

उदयपुर में 189 केंद्रों पर होगी परीक्षा

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2026 का आयोजन 9 एवं 10 मई को उदयपुर जिले में किया जाएगा। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि शनिवार 9 मई को प्रयोगशाला सहायक (भूगोल) सीधी भर्ती परीक्षा-2026 आयोजित होगी। यह परीक्षा प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिले में 65 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 45 राजकीय एवं 20 निजी केंद्र शामिल हैं। इस दिन कुल 19 हजार 989 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे।

वहीं रविवार 10 मई को दो पारियों में प्रयोगशाला सहायक एवं कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (विज्ञान) सीधी भर्ती परीक्षा-2026 आयोजित होगी। प्रथम पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। इसके लिए जिले में 124 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 43 राजकीय एवं 81 निजी केंद्र शामिल हैं। रविवार को कुल 39 हजार 330 अभ्यर्थी भाग लेंगे। परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष संचालन हेतु नियंत्रण कक्ष जिला कलेक्टर कार्यालय उदयपुर के कक्ष संख्या 126 में स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 0294-2413278 है। प्रशासन ने अभ्यर्थियों से परीक्षा प्रारंभ होने से 60 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचने की अपील की है। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। बिना ई-एडमिट कार्ड के किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रवेश के समय फेस ऑथेंटिकेशन एवं फ्रिस्किंग की प्रक्रिया अपनाई जाएगी तथा संपूर्ण प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड की जाएगी। परीक्षा के दौरान चिन्हित गतिविधियों की वीडियोग्राफी भी करवाई जाएगी।

दूषित पानी की खबर से मचा प्रशासन में हड़कंप, एसडीएम के निर्देश पर पीएचईडी टीम मैदान में उतरी

स्मार्ट हलचल | सुनेल

सुनेल कस्बे के नवलपुरा मोहल्ला सहित कई क्षेत्रों में नलों से दूषित, बदबूदार एवं मटमैले पानी की सप्लाई होने से लोगों में भारी नाराजगी व्याप्त हो गई। लगातार मिल रही शिकायतों और मीडिया द्वारा मामले को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पिडावा एसडीएम दिनेश मीणा ने तुरंत पीएचईडी विभाग के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर पूरे सिस्टम की जांच करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने साफ कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आमजन को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एसडीएम के निर्देश के बाद गुरुवार को पीएचईडी विभाग के सहायक अभियंता राजेश कुमार अपनी टीम के साथ पीपलाद फिल्टर हाउस, सुनेल पंप हाउस तथा प्रभावित मोहल्लों में पहुंचे। विभागीय टीम ने पानी संग्रहण स्थल से लेकर घरों तक पहुंच रही जल सप्लाई की बारीकी से जांच की और विभिन्न स्थानों से पानी के सैंपल लेकर प्रयोगशाला भेजे। नवलपुरा मोहल्ले के लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से नलों से गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी आ रहा था, जिससे बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई थी। लोगों ने प्रशासन से जल्द समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दूषित पानी के कारणों का पता लगाकर आवश्यक सुधार कार्य किए जाएंगे, ताकि कस्बेवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

जैन जागृति सेंटर द्वारा निःशुल्क छाछ वितरण प्रकल्प का शुभारंभ

सैकड़ों लोगों ने लिया शीतल छाछ का आनंद

स्मार्ट हलचल | निम्बाहेड़ा

जैन जागृति सेंटर सेन्ट्रल बोर्ड चेरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई की प्रेरणा एवं सहभागिता से जैन जागृति सेंटर, निम्बाहेड़ा द्वारा ग्रीष्मकाल में आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आज गुरुवार को निःशुल्क छाछ वितरण प्रकल्प का मंडी चौराहा स्थित शेखावत सर्कल पर आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। प्रकल्प के प्रथम दिवस छाछ पीने के लिए जनसमुदाय बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ केंद्र पर उमड़ पड़ा। भीषण गर्मी के बीच सैकड़ों लोगों ने लगभग 300 लीटर शीतल छाछ का आनंद लिया। राहगीरों, मजदूरों, व्यापारियों एवं आमजन ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए जैन जागृति सेंटर का आभार व्यक्त किया।

सेंटर के सचिव प्रकाश चेलावत एवं अतुल सेठिया ने बताया कि यह सेवा प्रकल्प ग्रीष्मकाल समाप्ति तक नियमित रूप से संचालित किया जाएगा, ताकि गर्मी के मौसम में आमजन को राहत मिल सके।

इस अवसर पर जैन जागृति सेंटर के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अशोक नवलखा, प्रकाश चेलावत, अतुल सेठिया, जितेन्द्र सिंघवी, वीरेश चपलोत, कुलदीप नाहर, रवि मोदी, महावीर पामेचा, गजेन्द्र नवलखा, दिलीप मोदी, विमल जेतावत, आशीष बोड़ाना, रलेश छाजेड़, गौतम सिंघवी, दीपक सगरावत, भोपाल सिंह बोडाना, मनीष जैन (गदिया), रिचिग लुकड़, मुकेश बम, अरिहंत जैन दक सहित संजय सिंघवी, सुशील लोढ़ा, रामलाल चारण, रोहित बदलानी, तरुण प्रजापत, विनोद नागौरी, मुकेश खंडेलवाल, आनंद सिंघवी आदि कई कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

सेंटर के कोषाध्यक्ष वीरेश चपलोत ने बताया कि इस सेवा कार्य का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी में राहगीरों एवं आमजन को शीतलता प्रदान करना है। वहीं सेंटर के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अशोक नवलखा ने सभी सदस्यों एवं नगरवासियों से सेवा कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया।

जैतारण उपखंड पत्रकार संघ की कार्यकारिणी का विस्तार शंकरलाल पन्नू बने अध्यक्ष, निष्पक्ष पत्रकारिता पर दिया जोर

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जैतारण उपखंड पत्रकार संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को स्थानीय श्री पैलेस में आयोजित की गई। संघ के अध्यक्ष शंकरलाल पन्नू की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पत्रकारिता के हितों और संगठन की मजबूती पर चर्चा करते हुए ब्लॉक स्तरीय कार्यकारिणी का विस्तार किया गया।

कार्यकारिणी विस्तार से पूर्व उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष शंकरलाल पन्नू ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, इसलिए हर पत्रकार को अपनी गरिमा और मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने पीत पत्रकारिता से दूर रहने की नसीहत देते हुए कहाः 'यदि पत्रकार सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और तथ्यों के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे, तो संगठन उनके साथ चट्टान की तरह खड़ा रहेगा। किसी भी पत्रकार का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। '

नई कार्यकारिणी की घोषणा

बैठक में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का विस्तार किया गया, जिसमें अनुभवी और युवा चेहरों को जगह दी गई हैः संरक्षकः मनोहर सोलंकी एवं आई बी खान, वरिष्ठ उपाध्यक्षः गोपाल सिंह, उपाध्यक्षः प्रताप नायक (नीमाज), महासचिवः नेमदास वैष्णव, कोषाध्यक्षः रजत टाक (बाँजाकुडी), सचिवः ललित जैन, सहसचिवः सफी मोहम्मद, राधेश्याम दाधीच, कानाराम, विनोद शर्मा, बोदूराम, खेताराम, एवं महेश (बाबरा) सूचना प्रसारण मंत्रीः वक्ताराम

कार्यकारिणी की घोषणा के बाद सभी सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। सदस्यों ने उम्मीद जताई कि नई टीम के नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा और क्षेत्र की जनसमस्याओं को प्रखरता से उठाएगा। इस दौरान ब्लॉक क्षेत्र के कई गणमान्य पत्रकार उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय सीनियर शतरंज चयन प्रतियोगिता 10 मई को

पुरुष, महिला, बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी लेंगे भाग

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में जिला स्तरीय सीनियर शतरंज चयन प्रतियोगिता का आयोजन 10 मई 2026, रविवार को किया जाएगा। प्रतियोगिता स्थानीय चित्तौड़ चैसकिंग अकादमी, नगरपालिका कॉलोनी, पुराने आरटीओ ऑफिस के पीछे, चित्तौड़गढ़ में सुबह 9:30 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगी।

संघ के संयुक्त सचिव चेतन गौड़ एवं गोविंद चावला ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन चित्तौड़ चैसकिंग अकादमी के सहयोग से यूनियन चैस क्लब, टाइगर चैस क्लब एवं जिनियस प्लेयर्स चैस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में सीनियर ओपन वर्ग (पुरुष एवं महिला), बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे।

जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष कैलाश भूतड़ा एवं सचिव निलेश बल्दवा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी अपना पंजीयन 8 मई 2026, शुक्रवार शाम 6 बजे तक करवा सकेंगे। इसके बाद किसी भी प्रकार का पंजीयन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खिलाड़ी अपना ऑनलाइन पंजीयन वेबसाइट livechess.in पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से कर सकते हैं।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के चार खिलाड़ियों का चयन आगामी 16 मई से 20 मई 2026 तक कोटा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी राज्य स्तर पर चित्तौड़गढ़ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। संघ पदाधिकारियों ने जिले के अधिकाधिक खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का आह्वान किया है।

नांगल मीणा प्रीमियर लीग 2026 का भव्य शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

महवा। विधानसभा क्षेत्र के मंडावर उपखंड के समीप ग्राम नांगल मीना में आयोजित नांगल मीणा प्रीमियर लीग 2026 की भव्य रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महवा विधायक राजेन्द्र मीणा शामिल हुए, जहां ग्रामीणों ने उनका आत्मीय, भव्य एवं जोशीला स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान पूरे मैदान में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया, वहीं युवाओं और खिलाड़ियों में प्रतियोगिता को लेकर खासा जोश दिखाई दिया। विधायक राजेन्द्र मीणा ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं को आगे बढ़ाने के साथ-साथ समाज में भाईचारा और एकता का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि गांवों में इस प्रकार के आयोजन सामाजिक समरसता और प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का कार्य करते हैं।

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विधायक ने क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए 51 हजार की सहयोग राशि देने की घोषणा की। साथ ही ग्राम नांगल मीना के विकास को लेकर बड़ी सौगात देते हुए राजकीय विद्यालय में कक्षा कक्ष निर्माण हेतु 15 लाख एवं हाई मास्क लाइट लगाने के लिए 5 लाख की घोषणा की। विधायक की इन घोषणाओं पर ग्रामीणों और युवाओं ने जोरदार तालियों के साथ स्वागत किया। राजेन्द्र मीणा ने ग्रामवासियों के प्रेम और स्नेह के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता का विश्वास और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम के दौरान गांव में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और देर रात तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।

इस मौके पर पूर्व सरपंच मुरारी लाल मीणा, रोशन टहलडी,रोशन हवलदार, पूर्व सरपंच अमरचंद बागड़ी, वीर गांव सरपंच भूजपाल मीणा, पूर्व सरपंच गणधारी लाल मीणा, सतीश नौरंगपुरा, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष संतोष महन्त, युवा ब्राह्मण अध्यक्ष अवधेश शर्मा, सरपंच संघ अध्यक्ष लल्लू सरपंच, जसंवतसिंह सरपंच,राजन मीणा, पप्पू रसीदपुर, खुशीराम राजगढ़ सहित अनेक गणमान्य लोग और सैकड़ों महिलाएं एवं पुरुष मौजूद रहे थे।

शौक मौज के लिए ट्रक चालक पर जानलेवा हमला व लूट, तीन गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। भदेसर थाना पुलिस ने गत दिनों हाईवे पर होटल के सामने खड़े ट्रक चालक पर जानलेवा हमला कर मोबाइल व पर्स लूट की वारदात का खुलासा करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया। जिन्होने शौक मौज के खर्चे पूरे करने के लिए लूट की योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया था।

जानकारी के अनुसार गत दो मई को भदेसर थाना क्षेत्र के उदयपुर-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर होटल के सामने खड़ी ट्रक के समीप लघुशंका कर रहे चालक उदयपुर जिले के फलोदड़ा निवासी ईश्वरलाल पुत्र कान्हा मीणा के साथ मोटरसाइकिल पर आए युवकों ने हमला कर चाकू से कई वार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया और उसका मोबाइल व पर्स लूट कर फरार हो गए। ट्रक चालक को गंभीर अवस्था में प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर कर दिया गया, जहां वह उपचाररत है। इस संबंध में भदेसर थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देश पर थानाधिकारी विनोद मेनारिया ने कन्नौज चौकी प्रभारी एएसआई तंवर सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर वारदात का खुलासा करने के निर्देश दिए। इस टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबीरों की सूचना पर वारदात में लिप्त भदेसर थाना क्षेत्र के नाहरगढ़ निवासी गोविंद पुत्र बगदीराम गुर्जर, आंतरी निवासी देवराज पुत्र हरिराम गुर्जर तथा होड़ा चौराहा निवासी शौकीन पुत्र मोहन गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि खेती तथा मजदूरी करते हैं। अपने शौक-मौज पूरे करने के लिए किसी ट्रक चालक को लूटने की योजना बनाई।

प्रयोगशाला सहायक (भूगोल) सीधी भर्ती परीक्षा

निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में बोर्ड द्वारा परिवर्तन, संबंधित समस्त परीक्षार्थी नवीन प्रवेश पत्र डाउनलोड करे

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 02 बजे तक जिले में आयोजित की जाने वाली प्रयोगशाला सहायक (भूगोल) सीधी भर्ती परीक्षा-2026 हेतु निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में बोर्ड द्वारा परिवर्तन किया गया है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं परीक्षा समन्वयक ने बताया कि कंचन देवी षिक्षण परीक्षण संस्थान पांसल रोड की जगह अब एएस स्टीवर्ड मोरियस स्कूल न्यू ईरास पर परीक्षा केन्द्र रखा गया है। इसी तरह विद्या प्रोफेसनल एण्ड टेक्निकल कालेज तेलीखेडा चैराहा पालडी की जगह संगम स्कूल आफ एक्सिलेन सीनियर सैकेण्डरी स्कूल चितौड़ रोड आटून में परीक्षा केन्द्र रखा गया है। तथा रूपी देवी गर्लस कालेज, कालेज रोड मांडल की जगह सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सैकेण्डरी स्कूल सेक्टर जी बापूनगर में नया परीक्षा केन्द्र रखा गया है। अतः संबंधित समस्त परीक्षार्थी नवीन प्रवेश पत्र डाउनलोड कर निर्धारित समय पर परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होवें।

भारत के लिए महज कूटनीतिक साझेदार नहीं, 'परिवार' है सूरीनामः जयशंकर

स्मार्ट हलचल | पारामारिबो

अपनी पहली आधिकारिक सूरीनाम यात्रा पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर पारामारिबो पहुंचे। उन्होंने सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गियरलिंग्स-सीमन्स से मुलाकात की और अपने समकक्ष विदेश मंत्री मेल्विन बौवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। जयशंकर ने सूरीनाम को केवल एक कूटनीतिक साझेदार नहीं, बल्कि 'परिवार' बताया। उन्होंने 1873 में 'लल्ला रुक्ख' जहाज से भारतीयों के सूरीनाम आगमन और वहां की 'गिरमिटिया' विरासत के गहरे संबंधों पर जोर दिया।

यह उनकी 2 से 10 मई तक चलने वाली तीन देशों (जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो) की यात्रा का दूसरा चरण है। यह यात्रा भारत और सूरीनाम के बीच कूटनीतिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हो रही है, जो 'ग्लोबल साउथ' के प्रति भारत की बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जयशंकर ने भारत-सूरीनाम संबंधों की व्यापक समीक्षा के लिए 9वीं संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) की अध्यक्षता की। चर्चा में व्यापार, निवेश, डिजिटल बुनियादी ढांचा, रक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्र शामिल रहे। इस दौरान भारत ने सूरीनाम की सेना और पुलिस की क्षमता निर्माण में सहयोग देने और उनकी रक्षा जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स-साइमन्स से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैंने भारत की ओर से सूरीनाम की सरकार और वहां के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। हमारे दोनों देश भारत-सूरीनाम के गहरे और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों की पूरी क्षमता को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जेसीएम के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर लिखा हमने व्यापार, डिजिटल और निवेश, रक्षा और ऊर्जा, विकास सहायता और क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य और आवाजाही, संस्कृति और लोगों के बीच आदान-प्रदान जैसे विषयों पर चर्चा की। हमें पूरा भरोसा है कि आज हमारी चर्चाओं के जो नतीजे निकले हैं, उनसे हमारे संबंध और भी गहरे और विविध होंगे।

उन्होंने भारतीय अनुदान से वित्तपोषित एक पैशन फ्रूट प्रोसेसिंग और पैकेजिंग यूनिट का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य स्थानीय किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है। भारत ने सूरीनाम की विकास प्राथमिकताओं के लिए नई 'लाइन ऑफ क्रेडिट' देने की पेशकश की है। पूर्व में भारत ने यहां बिजली ट्रांसमिशन लाइनों और जल पंपिंग स्टेशनों जैसे प्रोजेक्ट्स पूरे किए हैं। भारत के यह कदम 'ग्लोबल साउथ' के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और मजबूती प्रदान करने वाले हैं।

इससे पहले उन्होंने मायरिनबर्ग में 'फालन हीरोज' स्मारक पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सूरीनाम में रह रहे भारतीय मूल के लोगों के साथ बातचीत भी की, जो वहां की आबादी का लगभग 27 प्रतिशत हिस्सा हैं। सूरीनाम के 'टाइम्स ऑफ सूरीनाम' अखबार में जयशंकर का एक आलेख भी छपा है, जिसमें उन्होंने इस देश को 'परिवार' बताते हुए बहुआयामी सहयोग के और गहरा होने की बात कही है। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर भी यह बात साझा की कि भारत और सूरीनाम के बीच के 'सभ्यतागत संबंध' उन्हें एक परिवार की तरह जोड़ते हैं।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण की विसंगतियों पर 'महामंथन', पात्रता शर्तों को बताया 'गरीब विरोधी'

5 एकड़ और 8 लाख की शर्त पर समाज ने भरी हुंकार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (श्ङ्कस्) को दिए गए आरक्षण का लाभ वास्तविक हकदारों तक नहीं पहुँच पाने और इसकी जटिल पात्रता शर्तों के विरोध में आज ब्यावर में एक निर्णायक गोष्ठी का आयोजन किया गया। 'जन जागृति मंच' के बैनर तले अजमेर रोड स्थित होटल रामा इन में आयोजित इस 'महामंथन' में समाज के सभी वर्गों ने एक सुर में वर्तमान नियमों में क्रांतिकारी बदलाव की मांग की।

अव्यवहारिक शर्तों पर प्रहार

मुख्य वक्ता और जन जागृति मंच के प्रणेता धर्मेंद्र राठौड़ ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिए तय की गई 8 लाख रुपये की आय सीमा और 5 एकड़ कृषि भूमि की अनिवार्यता आज के समय में पूरी तरह तर्कहीन है। उन्होंने कहा, 'कई परिवारों के पास नाममात्र की बंजर भूमि है, लेकिन इस तकनीकी विसंगति के कारण वे आरक्षण से वंचित हो रहे हैं। सरकार की मंशा गरीबों को संबल देना थी, लेकिन ये नियम उनके लिए एक भूलभुलैया बन गए हैं। '

सर्वसमाज की एकजुटता

इस गोष्ठी की खास बात यह रही कि इसमें समाज के हर वर्ग के दिग्गजों ने शिरकत की। कार्यक्रम में विशिष्ट उद्योगपति इन्दर सिंह बागावास, आशीषपाल पदावत, शेख सय्यद मुग़ल पठान महासभा के अध्यक्ष बशीर मोहम्मद, परशुराम जन्मोत्सव संयोजक मनोज शर्मा, राजपूत महासभा के पूर्व अध्यक्ष बजरंग सिंह शेखावत, वरिष्ठ सामाजिक नेत्री कल्पना भटनागर और प्रसिद्ध अधिवक्ता सुलक्षणा शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने इस लड़ाई को किसी जाति विशेष की नहीं, बल्कि 'गरीब की लड़ाई' करार दिया।

प्रमुख मांगें और सुझाव:

आय सीमा का पुनर्मूल्यांकन: बढ़ती महंगाई को देखते हुए आय सीमा को अधिक व्यवहारिक बनाया जाए। संपत्ति मापदंडों में सुधार: शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पुश्तैनी संपत्ति के कठोर नियमों को सरल किया जाए। प्रक्रिया का सरलीकरण: अधिवक्ता सुलक्षणा शर्मा ने प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को 'सिंगल विंडो' बनाने का सुझाव दिया ताकि युवाओं को कानूनी अड़चनों का सामना न करना पड़े।

भविष्य की रणनीति

बैठक के अंत में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि इन मांगों को लेकर जल्द ही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा जाएगा। मंच ने युवाओं की मदद के लिए एक हेल्पलाइन सेवा शुरू करने पर भी विचार किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट अजय शर्मा द्वारा किया गया। गोष्ठी के अंत में परिसर 'समान अधिकार-समान न्याय' के नारों से गूँज उठा।

प्रधानमंत्री को भेजे पोस्टकार्ड

नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने की मांग

स्मार्ट हलचल| कोटा

महिला सशक्तिकरण और राजनीति में समान भागीदारी की मांग को लेकर महिला कांग्रेस ने कोटा देहात से राष्ट्रव्यापी अभियान की शुरुवात करि । राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा व प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार देहात महिला कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पोस्टकार्ड भेजकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग उठाई। देहात जिलाध्यक्ष गायत्री मीणा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं डाकघर पहुंचीं और पोस्टकार्ड के जरिए अपनी आवाज बुलंद की। जिलाध्यक्ष मीणा ने कहा कि महिलाओं को उनका हक देने में अब देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं का अधिकार है, जिसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए। इस मौके पर सितारा एकता सावित्री मंजू गीता रामप्यारी सुनीता सुलोचना रवीना रवीना कमलेश पूजा भानु प्रिया दृष्टि उमा रेखा गायत्री देहात की सभी महिलाएं साथ रही।

संगठन बढ़ाओ लोकतंत्र बचाओ अभियान को लेकर कांग्रेस की बैठक संपन्न

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे प्रदेश में संगठन बढ़ाओ लोकतंत्र बचाओ अभियान चलाया जा रहा है।

उसी अभियान को लेकर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रोड़ सिंह परमार के नेतृत्व में नगर कांग्रेस कार्यालय में एक बैठक आयोजित कि गई।

ब्लाक कांग्रेस प्रवक्ता अखूतर अली ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला कांग्रेस अध्यक्ष विरेंद्र सिंह गुर्जर की अध्यक्षता एवं डग विधानसभा प्रभारी नेमी गुर्जर एवं विधानसभा प्रत्याशी चेतराज गहलोत के मुख्य आतिथ्य में बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में प्रमुख रूप से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है और ग्राम स्तर से, नगर पालिका स्तर पर वार्ड अध्यक्षों कि नियुक्ति कर संगठन को बढ़ाना है, कांग्रेस कमेटी के सभी अग्रिम संगठनों में पदाधिकारियों कि नियुक्ति कर पार्टी को मजबूती प्रदान करना है। बैठक को सभी वरिष्ठ नेताओं ने सम्बोधित करते हुए संगठन को सर्वोपरि मान कर पूरी इमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया है। जिला अध्यक्ष विरेंद्र सिंह गुर्जर ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। विधानसभा प्रभारी नेमी गुर्जर ने भवानी मंडी ब्लाक कि तारीफ करते हुए कहा कि यहां का संगठन बहुत मजबूत है। प्रदेश सचिव धर्मराज मेहरा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष विनय आसतौलिया कि तारीफ करते हुए कहा कि पूरे राजस्थान में सर्वप्रथम यहां वार्ड अध्यक्षों का कार्य पूरा हुआ है। विधानसभा प्रत्याशी चेतराज गहलोत, पूर्व विधायक स्नेहलता आर्य व ब्लाक के कई वरिष्ठ्ठ नेताओं ने सम्बोधित किया है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष विनय आसतौलिया ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए पेयजल संकट पर अपनी बात रखी। इस अवसर पर मौजूद प्रदेश सचिव चंद्र सिंह राणा, पूर्व नगर कैलाश बोहरा, मंडल अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान, बहादुर सिंह गुर्जर,राम चंद्र वर्मा, संजय जैन, पंचायती राज जिला अध्यक्ष जोरावर सिंह चौहान,अभाव अभियोग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मदन सिंह राठौड़, सेवादल अध्यक्ष आनंद काला, चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ विकास पांडे,अल्पसंख्यक प्रदेश कोर्डिनेटर मोहम्मद सलीम खान, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ सचिव करुणा देवी, संगठन मंत्री कालु लाल सालेचा,अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ब्लाक अध्यक्ष अखूतर अली,एस सी प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष अरूण तंवर, सेवादल नगर अध्यक्ष राकेश चांवला, एवं कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व सरपंच, पार्षद, वार्ड पंच व सभी अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

लोकसभा संयुक्त सचिव ने की विकास कार्यों और बजट घोषणाओं की समीक्षा

स्मार्ट हलचल| बूंदी

जिले के महत्वपूर्ण विकास कार्य व परियोजनाओं, बजट घोषणा 2024-25, 2025-26, 2026-27 की समीक्षात्मक बैठक गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में लोकसभा सचिवालय के संयुक्त सचिव गौरव गोयल की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में बजट घोषणाओं के तहत स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिये कि अप्रारंभ कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र शुरू करावें, प्रगतिरत कार्यों को जल्द पूर्ण किया जावें। सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जावें। उन्होंने निर्देश दिये की मेज नदी पर निर्माणाधीन हाई लेवल ब्रिज के शेष बचे निर्माण कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ लेते हुए अतिशीघ्र पूर्ण करावें ताकि आमजन को जल्द से जल्द इसकी सुविधा उपलब्ध हो सके। संबंधित विभाग आपसी सामंजस्य के साथ कार्ययोजना बनाकर लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करावें व जिन कार्यों में टेंडर जारी हो चुके हैं वहां आवश्यक कार्यवाही करते हुए निर्माण कार्य शुरू करवाए जावें। उन्होंने पापड़ी रेलवे ओवरब्रिज क्षतिग्रस्त होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा की रिडकोर ओवरब्रिज को तुरंत प्रभाव से दुरुस्त करवाना सुनिश्चित करें । जल्द से जल्द पुलिया पर डामरीकरण का कार्य शुरू किया जावें। इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि आवाप्ति के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्यवाही की जावें ताकि जनकल्याणकारी परियोजनाएं धरातल पर लागू की जा सके।

गोयल ने कहा कि बूंदी शहर में स्वीकृत तीन नए जीएसएस के निर्माण कार्यों को शीघ्र शुरू करवाया जावें, उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना एवं आदर्श सोलर ग्राम योजना की बिंदुवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को विशेष प्रयास करते हुए अर्जित किया जावें। कृषि कनेक्शन के लंबित आवेदनों का वरीयता अनुसार निस्तारण किया जावें साथ ही बजट घाषणाओं में स्वीकृत कार्यों को धरातल पर लागू किया जावें। उन्होंने सीएसआर, माडा, सांसद-विधायक कोष से स्वीकृत कार्य, मनरेगा के तहत शमशान विकास कार्य, इंटरलोकिंग, सीसी सड़क निर्माण, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना की भी विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समर्थन मूल्य पर खरीद किए जा रहे गेहूं के लिए स्थापित खरीद केंद्रों पर आने वाले कृषकों के लिए छाया, पानी, बैठने की व्यवस्था, हीटवेव के मद्देनजर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता पर्याप्त संख्या में रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि खरीद केंद्रों पर बारदाने की पर्याप्त संख्या रखी जावें। साथ ही गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जावें। स्टॉक का उठाव तुरंत प्रभाव से किया जावें ताकि खरीद केंद्र पर अव्यवस्था ना फैले। परिवहन के लिए पर्याप्त संख्या में ट्रकों की व्यवस्था रखी जावें। सभी खरीद एजेंसियां स्वयं के निर्धारित लक्ष्यों को विशेष प्रयास करते हुए हासिल करें। उन्होंने निर्देश दिए की सभी चिकित्सा संस्थानों में पर्याप्त संख्या में जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध रहे। साथ ही आमजन को हीटवेव से बचाव को लेकर जागरूक किया जावें। साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जावें।

इस दौरान संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल, लोकसभा अध्यक्ष के ओएसडी राजेश गोयल, जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव, लोकसभा अध्यक्ष के अतिरिक्त निजी सचिव राजेश डागा, अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

सूरौठ पहुंचे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया सम्मान

स्मार्ट हलचल|सूरौठ

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं राज्य के पूर्व मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा का सूरौठ कस्बे में कई स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सूरौठ कस्बे निवासी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव देशराज मीणा एवं राज्य प्रशासनिक अधिकारी कुलराज मीणा के छोटे भाई अनिराज मीणा के लगन समारोह कार्यक्रम में शिरकत करने आए थे। हिंडौन देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता प्रमोद तिवाड़ी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के साथ दिल्ली कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन, करौली धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं टोडाभीम विधायक घनश्याम महर, करौली के पूर्व विधायक लाखन सिंह कटकड, पुष्पेंद्र भारद्वाज, ललित तूनवाल सहित कई प्रदेश एवं जिला स्तरीय नेता मौजूद रहे। कस्बे में बस स्टैंड के पास बिरसा मुंडा मार्ग पर प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा का कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष शिवराज मीणा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहर सिंह सैनी, बत्तू मेंबर, कांग्रेस के ब्लॉक प्रवक्ता प्रमोद तिवाड़ी, जिला महासचिव विश्राम मीणा, पुरूषोत्तम बंशीवाल, केदार मीणा, बाबू खान, वेद प्रकाश शर्मा, कमलेश महावर, राम सिंह करू, नीरज जाटव, दौलत मीणा, राहुल मीणा, रिंकू मीणा, जयसिंह मीणा, दिलीप महावर, राम रूप मीणा आदि कार्यकर्ताओं ने अगुवानी की तथा साफा माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। कार्यकर्ता जयकारों के साथ प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा को कार्यक्रम स्थल तक ले गये। कार्यक्रम स्थल पर प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा सहित अन्य नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव देशराज मीणा एवं उनके परिवारजनों से आत्मीय भेट कर विवाह की अग्रिम शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में कांग्रेस के भरतपुर जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा, करौली की पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष अलका मीना, प्रेम राज मीणा बाबूजी, धर्म सिंह मीणा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ भवी मीणा, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष शरदो गुर्जर, हिंडौन नगर परिषद के पूर्व सभापति भगवान सहाय शर्मा, कृष्ण मोहन गोयल, तारा गुर्जर, पिंटू चौधरी, दलवीर चौधरी, रवि गुर्जर, रविंद्र बेनीवाल, भरत राम डागुर, नरेश गुर्जर, एजाज अहमद, रामचरण खुरसटपुरा, पुष्पेंद्र गारूवाल, सत्य प्रकाश चतुर्वेदी, गोपेन्द्र पावटा आदि मौजूद रहे। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा का यहां हिंडौन बयाना मार्ग पर गांव धंधावली के टोल प्लाजा के पास स्थित हीरा फार्म हाउस पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दलबीर सिंह चौधरी, महेश चौधरी, गोपाल सिंह, काशीराम, नरेंद्र चौधरी, पिंटू चौधरी, देवी सिंह, कैप्टन जगमोहन सिंह, करण सिंह, भरतराम आदि कार्यकर्ताओं ने 21 किलो की फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया।

आगामी 12 में को नर्सेज दिवस मनाया जाएगा इसके लिए नर्सेज एसोसिएशन की कार्यकारिणी गठित

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। आगामी 12 मई को नर्सेज दिवस मनाने के लिए नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया तथा पोस्टर का विमोचन किया गया. भवानी मंडी ब्लॉक में 12 मई को जिला हेड क्वार्टर पर मनाए जाने वाले नर्सेज डे हेतु पी एम ओ डॉक्टर रोहिताश्व कुमार एवं जिला कार्यकारिणी सदस्यों एवं ब्लॉक के समस्त नर्सेज के द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया तथा 12 मई को होने वाले प्रोग्राम में अधिक से अधिक नर्सेज की भागीदारी का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में जिले से पधारे पदाधिकारी ब्लॉक भवानी मंडी से सीनियर नर्सिंग ऑफिसर रामेश्वर पाटीदार, रमेश सुथार पचपहाड़ पी एच सी से पधारे सीनियर नर्सिंग ऑफिसर रामेश्वर पाटीदार सीनियर नर्सिंग ऑफिसर प्रमोद यादव, अविनाश जैन ,नर्सिंग अधीक्षक सीमा पवार संगठन के जिला उपाध्यक्ष जगदीश मीणा, ब्लॉक अध्यक्ष जाहिद अली ,पीएससी से नर्सिंग ऑफिसर धर्मेंद्र अहीर, उप जिला चिकित्सालय भवानी मंडी से सीनियर नर्सिंग ऑफिसर रमन जैन, नर्सिंग ऑफिसर नितिन गुप्ता, गुलज़ार मंसूरी,अविनाश सिंह सोलंकी, जितेन्द्र मेघवाल, ए एन एम, एल एच वी संघ से श्रीमती आशा कुमारी वर्मा,मालिका नाज,दिव्या लोधा सी एच ओ प्रतिनिधि आदित्य चौरसिया, विनोद गुर्जर, राजाराम मीणा ईश्वर सिंह, अजय सिंह, महादेवमेघवाल ,कमलेश कुमार स्वप्निल राठौर, जुनेद खान, एन एच एम अभिषेक राठौर जी एन एम रोहित कुमार महिला प्रतिनिधि कमलेश सेन,कुसुम डांगी, सरिता पाल, ए एन एम शिखा पारेता, ए एन एम कविता माली आदि सदस्य उपस्थित रहे 12 मई को आगामी कार्य योजना तैयार की गई जिसमें जिले में रक्त की कमी को देखते हुए ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन भी किया जाएगा।

आगामी नर्सेज दिवस के पूर्व तैयारी के लिए नवीन कार्यकारिणी का संशोधित रूप से गठन किया गया साथ ही नर्सेज दिवस के अवसर पर विशाल रक्तदान का आयोजन किया जाएगा जिससे जिले में रक्त की कमी पूरी की जा सके नवीन कार्यकारिणी में ऊर्जावान और सक्रिय कार्यकर्ता को जोड़ा गया जिला कार्यकारिणी और ब्लॉक अध्यक्ष जाहिद अली और सभी नर्सेज की सर्व सम्मति से निम्नानुसार कार्यकारिणी की घोषणा की गई जो इस प्रकार है। ब्लॉक संरक्षक प्रमोद यादव, ब्लॉक संयोजक सीमा पंवार, ब्लॉक सचिव धर्मेंद्र अहीर , सह सचिव महादेव मेघवाल, अजय सिंह, राजेश मेहर, मीडिया प्रभारी अविनाश सिंह, राजाराम मीणा , महिला प्रतिनिधि कृष्णा कुमारी, कुसुम डांगी, सरिता पाल, उर्मिला सैनी, कविता सेनी, निर्मला कुमारी, उमा देवी, संगठन मंत्री विनोद गुर्जर, सलाहकार समिति आशिफ जी, आर एम आर एस प्रतिनिधी ईश्वर सिंह, सी एच ओ प्रतिनिधि आदित्य चौरसिया, एन एच एम प्रतिनिधि अभिषेक राठौर को नियुक्त किया गया।

हरनावदाशाहजी में विकास का बड़ा ब्लूप्रिंट तैयार: अटल ज्ञान केंद्र से बदलेगी शिक्षा, अतिक्रमण पर सख्ती, प्लास्टिक मुक्त अभियान का ऐलान

स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी। कस्बे की ग्राम पंचायत में छीपाबड़ौद खंड विकास अधिकारी राधेश्याम मीणा के दौरे ने विकास की नई तस्वीर पेश कर दी है। यह दौरा सिर्फ औपचारिक नहीं रहा, बल्कि पूरे कस्बे के लिए एक बड़ा एक्शन प्लान लेकर आया, जिसमें शिक्षा, स्वच्छता, आवास और व्यवस्थाओं को सुधारने पर ठोस निर्णय लिए गए।

सबसे बड़ी सौगात के रूप में अटल ज्ञान केंद्र का शिलान्यास किया गया। करीब 700 वर्ग फीट क्षेत्र में बनने वाला यह केंद्र लगभग 12.5 लाख रुपये की लागत से तैयार होगा और पूरे ब्लॉक का आधुनिक डिजिटल शिक्षण हब बनेगा। यहां 20 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था के साथ सार्वजनिक पुस्तकालय, ई लाइब्रेरी, वाई-फाई सुविधा और आधुनिक शिक्षण सामग्री उपलब्ध रहेगी। साथ ही अटल प्रेरक की नियुक्ति कर बच्चों को मार्गदर्शन दिया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शहर जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी।

दौरे के दौरान विकास अधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना को तय समय सीमा में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए और लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई के संकेत भी दिए। कस्बे की सफाई व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाने के लिए नई रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

अतिक्रमण पर सख्ती, जाम से मिलेगी राहत

सबसे अहम कार्रवाई अतिक्रमण को लेकर रही। नालियों के ऊपर और सड़कों पर हो रहे कच्चे-पक्के अतिक्रमण को तुरंत हटाने के निर्देश दिए गए। इससे नालियों की सफाई बेहतर होगी और जाम की समस्या से आमजन को राहत मिलेगी। बहते नलों में टोटियां लगाना अनिवार्य किया गया, वहीं कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना लगाने की चेतावनी भी दी गई।

प्लास्टिक मुक्त हरनावदाशाहजी का संकल्प

दौरे के दौरान कस्बे को प्लास्टिक मुक्त बनाने का बड़ा अभियान भी शुरू करने का ऐलान किया गया। खंड विकास अधिकारी ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण रोक लगाने, दुकानदारों और आमजन को कपड़े व जूट के थैले अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य के लिए प्लास्टिक से दूरी जरूरी है' और इस दिशा में सख्ती से अमल किया जाएगा। इस दौरान सहायक अभियंता धर्मसिंह मीणा, ग्राम विकास अधिकारी देवलाल नागर, उपसरपंच संजय पारेता, माणकचंद लववंशी, दिलीप धानुक, भूपेन्द्र मेहरा, नवल सिंह, सद्दाम मेव, पवन रैगर, आदिल शेख सहित जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे। कुल मिलाकर, यह दौरा कस्बे के लिए शिक्षा, स्वच्छता और सुव्यवस्थित विकास की दिशा में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित होता नजर आ रहा है।

संकटमोचन हनुमान मन्दिर का कायाकल्प, दिखेगा नया स्वरूप

स्मार्ट हलचल|कोटा

शहर के झालावाड़ रोड पर एयरपोर्ट के सामने स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मन्दिर का कायाकल्प किया जा रहा है। करीब 7 दशक पुराना यह मंदिर हजारों श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा का केन्द्र है। आगामी करीब छह माह में यह कायाकल्प पूरा हो जाएगा और उसके बाद यह मंदिर नए स्वरूप में नजर आएगा।

संकटमोचन हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि पूर्व में मूल गर्भगृह श्री संकटमोचन हनुमान जी एक प्राचीन छोटा मन्दिर था। अलग-अलग समय पर धीरे-धीरे 04 भागों में इसका निर्माण एवं विस्तार किया गया। गत 15-20 वर्षों में शिव परिवार, लक्ष्मी-विष्णु माताजी एवं गणेश जी की स्थापना की गई। इसके उपरान्त शहर के धर्मप्रेमी सज्जनों के सहयोग से आगे विस्तार करते हुए 10-12 वर्षों में राम दरबार एवं श्री राधाकृष्ण के विग्रह स्थापित किए गए।

में करीब डेढ़ दशक पुराने इस निर्माण में कई चुनौतियां सामने आने लगी हैं। वर्षा ऋतु मन्दिर की दीवारों में करंट आ गया। छतों से पानी टपकता है तथा घंटियों में भी करंट का खतरा रहता है। पानी भरने से मंदिर में फिसरन होती थी. कई बार श्रद्धालु घायल भी हुए। ऐसे में अनहोनी व दुर्घटनाएं होने का डर बना रहता था। इन सभी चुनौतियों को देखते हुए मंदिर समिति ने सर्व सहमति से मंदिर के कायाकल्प का निर्णय लिया है। समिति द्वारा इसके पुनर्निर्माण एवं विकास के लिए काफी वर्षों से प्रयास किया जा रहा था। इसकी शुरुआत करीब 15 दिन पहले कर दी गई है।

अब उद्देश्य यह है कि मंदिर का बड़ा स्थान बनाकर निर्माण किया जाए। श्री संकटमोचन हनुमान मन्दिर के पुनर्निर्माण एवं विकास के लिए मन्दिर के नियमित भक्तों द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इन नियमित समर्पित भक्तों के मध्य भी इस पुनर्निर्माण एवं विकास के लिए हर्ष एवं उत्साह है। मंदिर समिति की ओर से आमजन से भी आग्रह किया गया है कि इस कायाकल्प पुनर्निर्माण एवं विकास कार्य के लिए पूर्ण समर्थन प्रदान करें, ताकि इस पावन एवं पुनीत कार्य को समय पूरा किया जा सके।

शोक्या खेड़ा बना धर्मनगरी: 1111 कलशों की गर्जना के साथ निकली आस्था की ऐतिहासिक यात्रा, जय श्रीराम के जयघोषों से कांपा पूरा क्षेत्र

लाल धागे सरकार महंत चन्द्रप्रकाश जी महाराज ने दिखाई हरी झंडी, भक्ति की लहर में उमड़ा जनसैलाब

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। शोक्या खेड़ा की पावन धरा गुरुवार को सनातन शक्ति, आस्था और भक्ति के विराट महासागर में डूबती नजर आई, जब प्राचीन श्री सागर के हनुमान मंदिर परिसर में विशाल नौ कुण्डीय सप्त दिवसीय महायज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। चारभुजा मंदिर से निकली 1111 कलशों की ऐतिहासिक यात्रा ने पूरे क्षेत्र को धर्ममय बना दिया। जहां नजर गई वहां भगवा रंग, जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारे और श्रद्धालुओं का अपार उत्साह दिखाई दिया।

रामप्रिय दास जी महाराज के सानिध्य में शुरू हुए इस महायज्ञ में हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच यज्ञाचार्य पंडित राजेन्द्र प्रसाद शास्त्री ने विधिवत कलश पूजन करवाया। इसके बाद लाल धागे सरकार महंत चन्द्रप्रकाश जी महाराज ने हरी झंडी दिखाकर भव्य कलश यात्रा को रवाना किया। जैसे ही यात्रा आगे बढ़ी, पूरा क्षेत्र 'जय श्री राम' और 'बोलो पवनपुत्र हनुमान की जय' के नारों से गूंज उठा।

प्रेरक पुजारी सत्यनारायण वैष्णव ने श्रीमद्भगवद्गीता को सिर पर धारण कर नगर भ्रमण किया, जिसने श्रद्धालुओं में अलग ही जोश भर दिया। महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाती हुई चल रही थीं, वहीं युवा ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमते नजर आए। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई भक्ति रंग में रंगा दिखाई दिया।

कलश यात्रा में शामिल सजी-धजी बग्घियां, बैण्ड-बाजे और आकर्षक धार्मिक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। बैवाण में विराजित ठाकुर जी महाराज एवं श्री हनुमानजी की दिव्य तस्वीरों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में होड़ सी मच गई। यात्रा चारभुजा मंदिर से रवाना होकर गोपालपुरा, चौकी का झोपड़ा होते हुए श्री सागर के हनुमान मंदिर पहुंची, जहां विधिवत कलश स्थापना करवाई गई। यात्रा मार्ग में ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। पूरा इलाका भगवामय नजर आया और हर गली-चौराहे पर धर्म और आस्था का उत्साह चरम पर दिखाई दिया।

महायज्ञ के तहत दशविद्यास्नान, हेमाद्रि स्नान, तर्पण, पापघट दान, मंडल पूजन, अरणि मंथन एवं अग्नि स्थापना सहित कई वैदिक अनुष्ठान संपन्न हुए। वहीं बुधवार रात्रि से शुरू हुई भगवान श्रीराम की लीलाओं पर आधारित सांस्कृतिक संध्या में श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में डूबे रहे।

सप्त दिवसीय इस महायज्ञ को लेकर पूरे क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है और श्रद्धालुओं का तांता लगातार मंदिर परिसर की ओर उमड़ रहा है।

घाड़ में दो माह से नाला टूटा: स्कूली बच्चे, श्रद्धालु आवागमन में परेशान

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। घाड़ कस्बे के मुख्य बाजार को दूनी रोड से जोड़ने वाले खेड़ेश्वर महादेव मंदिर मार्ग पर स्थित नाले की पट्टी पिछले दो महीने से क्षतिग्रस्त पड़ी है। इस टूटे नाले के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों और श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की अनदेखी से ग्रामीणों में नाराजगी है।

ग्रामीणों के अनुसार, लगभग दो महीने पहले रात के समय बजरी से भरे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने इस नाले की पट्टी को तोड़ दिया था। तब से लेकर आज तक इसकी मरम्मत नहीं की गई है। स्थानीय निवासी मोहन और फोरु सैनी ने बताया कि शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

यह मार्ग कई शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों को जोड़ता है। इस रास्ते पर एक सरकारी स्कूल और दो प्राइमरी स्कूल स्थित हैं, जहाँ से छोटे बच्चे रोजाना गुजरते हैं। टूटे नाले के कारण कई बच्चे गिरकर घायल हो चुके हैं। कस्बे का प्राचीन श्री खेड़ेश्वर महादेव मंदिर और तेजाजी महाराज का मंदिर भी इसी रास्ते पर स्थित हैं। सुबह की आरती से लेकर देर रात तक यहाँ भक्तों की आवाजाही रहती है, जिन्हें अंधेरे में टूटे नाले से बचकर निकलना पड़ता है।

वर्तमान में, इस मार्ग से केवल दोपहिया वाहन ही बड़ी मुश्किल से निकल पा रहे हैं, जबकि चार पहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द खेड़ेश्वर महादेव मंदिर मार्ग के इस नाले की पट्टी की मरम्मत करवाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो वे विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

संस्कारों की छाँव में मना वियोमी सोनी का 7वाँ जन्मदिन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। अखिल भारत हिन्दू क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द सोनी की सुपुत्री वियोमी सोनी का 7वाँ जन्मदिवस बुधवार को सनातनी मर्यादाओं और सादगी के साथ मनाया गया। 8 मई के इस विशेष अवसर पर आधुनिक चकाचौंध से दूर, परिवार ने भारतीय संस्कृति को प्राथमिकता दी।

सुबह से ही वियोमी को आशीर्वाद देने वालों का तांता लगा रहा। परिजनों ने देवाधिदेव महादेव और प्रभु श्रीराम की आराधना कर बिटिया के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर आनन्द सोनी ने संदेश दिया कि बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ अपनी संस्कृति और राष्ट्रभक्ति के संस्कारों से जोड़ना ही आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अखिल भारत हिन्दू क्रांति सेना के कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने वियोमी के उज्ज्वल भविष्य हेतु मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

झूठे मुकदमे दर्ज कराने वालों पर बिजयनगर पुलिस का डंडा, 7 लोगों के खिलाफ न्यायालय में इस्तगासा पेश, मिलेगी कड़ी सजा

कानून से खिलवाड़ पड़ा भारी:' फर्जी एफआईआर दर्ज करवाने वालों को अब खानी पड़ेगी जेल की हवा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। बिजयनगर पुलिस और न्याय प्रणाली का दुरुपयोग कर निर्दोष लोगों को फंसाने और आपसी रंजिश निकालने वालों के खिलाफ बिजयनगर पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री रतन सिंह (ढुक्कर) के निर्देशानुसार, बिजयनगर थाना पुलिस ने कुल 7 ऐसे मामलों में कार्रवाई की है, जहां परिवादियों ने पुलिस और न्यायालय के माध्यम से झूठे मुकदमे दर्ज करवाए थे। पुलिस ने इन सभी 7 परिवादियों के विरुद्ध धारा 182/211 भादस के तहत कानूनी कार्रवाई हेतु न्यायालय में इस्तगासा पेश किया है।

पुलिस की चेतावनी: जेल और जुर्माना दोनों संभव

थानाधिकारी श्री करण सिंह ने बताया कि पुलिस को गुमराह करना और किसी पर झूठा आरोप लगाना गंभीर अपराध है। धारा 182 के तहत पुलिस को झूठी सूचना देने पर 6 माह की कैद और धारा 211 के तहत झूठा आरोप लगाने पर 2 से 7 साल तक की सजा का प्रावधान है।

इन मामलों में हुई कार्रवाई:

पुलिस द्वारा जारी विवरण के अनुसार, कुल 7 अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की गई है: छेड़छाड़ का झूठा आरोप: समता बागरिया ने रिजवान व अन्य के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट और कपड़े फाड़ने का आरोप लगाया था, जो जांच में पूरी तरह झूठा पाया गया। सिम चोरी व धोखाधड़ी: विशाल पाराशर द्वारा अतुल शर्मा के खिलाफ दर्ज कराया गया मोबाइल सिम चोरी का मामला फर्जी निकला। जमीन और पैसों का विवाद: घासीराम चौधरी, दिनेश राव और मोहन नायक ने जमीन विवाद और धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में झूठी रिपोर्ट पेश की थी। वाहन चोरी का नाटक: नरेश चंद कुमावत (मारुति वैन) और सत्यनारायण चौधरी (ट्रैक्टर) ने भी अपने निजी विवादों या अन्य कारणों से चोरी की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसका पुलिस अनुसंधान में पर्दाफाश हो गया।

पुलिस टीम की मुस्तैदी

इस पूरी कार्रवाई में थानाधिकारी करण सिंह, सउनि सीयाराम और कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से उन लोगों में डर पैदा होगा जो कानून का सहारा लेकर निर्दोषों को प्रताड़ित करते हैं।

पोक्सो एक्ट का स्थाई वारंटी गिरफ्तार, जंगल में पीछा कर दबोचा

स्मार्ट हलचल| ब्यावर

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के कड़े निर्देशों पर जिला पुलिस अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चला रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र शर्मा एवं वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के निकट सुपरविजन में जवाजा थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गंभीर अपराधों में वांछित एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है।

दूसरे राज्यों में काट रहा था फरारी

थानाधिकारी नवल किशोर ने बताया कि अभियुक्त श्रवण सिंह पुत्र गाजी सिंह, निवासी माल का चौड़ा, पोक्सो कोर्ट (अजमेर) और थाना जवाजा के विभिन्न गंभीर मामलों (स्रढ़ 136/2024) में लंबे समय से वांछित था। गिरफ्तारी के डर से आरोपी राजस्थान छोड़कर दूसरे राज्यों में फरारी काट रहा था और कभी अपने घर नहीं आता था।

घेराबंदी कर झाड़ियों से पकड़ा

7 मई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी अपने गांव आया हुआ है। पुलिस टीम ने तुरंत माल का चौड़ा गांव में दबिश दी। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की और पास के घने जंगल व झाड़ियों में छिपने लगा। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए पीछा किया और घेराबंदी कर उसे बड़ी मुश्किल से काबू किया।

इस सफल कार्रवाई में थानाधिकारी नवल किशोर के साथ एएसआई जगवेन्द्र सिंह, कांस्टेबल जितेन्द्र (विशेष योगदान), तोगेश कुमार और चालक भवानी सिंह शामिल रहे। गिरफ्तार आरोपी को पोक्सो न्यायालय में पेश किया गया है।

बाइक से एक किलो से अधिक अफीम बरामद, दो गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। जिले के शंभूपुरा थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल पर तस्करी की जा रही 1 किलो 160 ग्राम अवैध अफीम बरामद कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत एएसपी सरिता सिंह के निर्देशन एवं डीएसपी विनोद कुमार के पर्यवेक्षण मे थानाधिकारी धर्मराज मीना द्वारा कांस्टेबल नरेश कुमार, रामकिशन, मुकेश कुमार, योगेन्द्र कुमार की टीम द्वारा हाईवे पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान एक मोटर साइकिल पर आए दो व्यक्तियों को रुकवाकर पूछताछ की गई। जिसमें उन्होने अपने नाम राजूनाथ (30) पुत्र शंभूनाथ योगी निवासी जाट थाना रतनगढ़ जिला नीमच व सूरज नाथ (28) पुत्र हजारी नाथ योगी निवासी लालपुरा थाना रतनगढ़ जिला नीमच होना बताया। पुलिस द्वारा उनकी तलाशी लेने पर 1 किलो 160 ग्राम अवैध अफीम मिली, जिसे मोटरसाइकिल सहित जब्त कर दोनो को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

जन-जन तक पहुँचेगी सरकारी योजनाएं, विधानसभा रथ अभियान को 'जन आंदोलन' बनाने के लिए मीडिया से संवाद

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। विधानसभा स्तरीय रथ अभियान के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं को जिले के अंतिम छोर तक पहुँचाने की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में रायपुर एवं जैतारण ब्लॉक के पत्रकारों के साथ एक विशेष संवाद एवं भेंटवार्ता का आयोजन किया गया।

मीडिया की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सतीश सोनी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया प्रशासन और आमजन के बीच एक मजबूत सेतु (पुल) का काम करता है। उन्होंने जोर दिया कि योजनाओं की सफलता तभी संभव है जब उनकी जानकारी सही समय पर और सही तरीके से पात्र व्यक्ति तक पहुँचे। इसमें मीडिया का सहयोग अपरिहार्य है।

संवाद के दौरान इस बात पर विस्तार से चर्चा हुई कि किस प्रकार योजनाओं से लाभान्वित हो चुके हितग्राहियों के अनुभवों और उनकी 'सफलता की कहानियों' को जनता के सामने लाया जाए। इससे न केवल योजनाओं के प्रति विश्वास बढ़ेगा, बल्कि अन्य लोग भी आगे आकर सरकारी लाभ लेने के लिए प्रेरित होंगे।

वरिष्ठ पत्रकारों ने दिए सुझाव

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार मनोहर सोलंकी एवं शंकर पन्नू सहित बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी उपस्थित रहे। उन्होंने भी अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में संकल्प लिया गया कि विधानसभा रथ अभियान को एक जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव में योजना के लाभ से वंचित न रहे।

वन स्टॉप सखी सेंटर का औचक निरीक्षण, पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता देने के निर्देश

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशों की पालना में गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कमल कुमार ने अमृत कौर चिकित्सालय परिसर में संचालित 'वन स्टॉप सखी सेंटर' का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली को बारीकी से समझा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सीजेएम कमल कुमार ने केंद्र पर पीड़ित महिलाओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा व्यवस्था, काउंसलिंग सुविधाओं, अस्थायी आवास और चिकित्सा सहायता का गहन अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र के रिकॉर्ड और फाइलों की भी जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक मामले में नियमानुसार कार्यवाही हो रही है।

तत्परता और संवेदनशीलता पर जोर

न्यायिक अधिकारी ने केंद्र के कार्मिकों से संवाद करते हुए कहा कि महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र पर आने वाली हर जरूरतमंद महिला को त्वरित और प्रभावी विधिक सहायता मिलनी चाहिए। उन्होंने कार्य में संवेदनशीलता और तत्परता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय गहलोत, सामाजिक अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक जगदीश चौधरी, केंद्र प्रभारी प्रतिभा सलोटरी, काउंसलर सरिता नाथ एवं चेतना ग्वाला सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर शपथ ग्रहण: राजनीति, संस्कृति और प्रतीकवाद का संगम

स्मार्ट हलचल |शाश्वत तिवारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति ने एक बार फिर इतिहास, संस्कृति और सत्ता के संगम का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया है। 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद 9 मई को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होने जा रहा है, और यह तारीख यूं ही नहीं चुनी गई। यह दिन महान कवि, दार्शनिक, शिक्षाविद और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती (25 वैशाख) का प्रतीक है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह केवल संयोग है, या फिर राजनीति द्वारा सांस्कृतिक प्रतीकों का सुनियोजित उपयोग?

रवींद्रनाथ टैगोर केवल एक कवि नहीं थे, वे बंगाल की आत्मा और भारतीय सभ्यता की चेतना के प्रतीक हैं। उनकी रचनाओं में जहां एक ओर मानवीय संवेदनाओं की गहराई है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रवाद, स्वतंत्रता और वैश्विक मानवता का समन्वय भी दिखाई देता है।

उनकी अमर कृति गीतांजलि ने उन्हें 1913 में नोबेल पुरस्कार दिलाया, जो किसी भी एशियाई लेखक के लिए पहली उपलब्धि थी। उनका लिखा जन गण मन आज भारत का राष्ट्रगान है, जबकि आमार सोनार बांग्ला बांग्लादेश का राष्ट्रगान बना।

टैगोर की विचारधारा संकीर्ण राष्ट्रवाद के विरुद्ध थी। वे मानवता को किसी भी सीमित पहचान से ऊपर रखते थे। ऐसे में उनकी जयंती पर किसी राजनीतिक दल का शपथ लेना, एक व्यापक सांस्कृतिक संदेश भी देता है, कम से कम प्रतीकात्मक रूप में।

9 मई 2026 को शपथ ग्रहण की घोषणा ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस को जन्म दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का यह कदम कई स्तरों पर देखा जा रहा है।

पहला, यह बंगाल की सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास है। लंबे समय से बंगाल में यह धारणा रही है कि भाजपा एक 'बाहरी' राजनीतिक शक्ति है। ऐसे में टैगोर जैसे सर्वमान्य सांस्कृतिक प्रतीक के माध्यम से अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की कोशिश साफ दिखाई देती है।

दूसरा, यह एक प्रतीकात्मक संदेश भी है कि नई सरकार खुद को केवल सत्ता परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है।

तीसरा, यह विपक्ष, विशेषकर तृणमूल कांग्रेस के उस नैरेटिव को

चुनौती देने का प्रयास है, जिसमें भाजपा को बंगाली अस्मिता के खिलाफ बताया जाता रहा है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में सांस्कृतिक प्रतीकों का उपयोग कोई नई बात नहीं है। ममता बनर्जी ने भी अपने कार्यकाल में बार-बार बंगाली संस्कृति, भाषा और साहित्य को अपनी राजनीति का केंद्र बनाया।

'खेला होबे' जैसे नारों से लेकर दुर्गा पूजा के भव्य आयोजनों तक, हर स्तर पर संस्कृति को राजनीति के साथ जोड़ा गया। ऐसे में भाजपा का यह कदम उसी परंपरा का एक नया अध्याय कहा जा सकता है।

लेकिन फर्क यह है कि जहां तृणमूल कांग्रेस का सांस्कृतिक विमर्श स्थानीय और क्षेत्रीय पहचान पर आधारित रहा है, वहीं भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक सांस्कृतिक पहचान गढ़ने की कोशिश करती दिखती है।

यह प्रश्न सबसे महत्वपूर्ण है। क्या टैगोर जैसे महान व्यक्तित्व को राजनीतिक प्रतीक के रूप में इस्तेमाल करना उचित है? टैगोर स्वयं राजनीति से दूरी बनाए रखते थे। उन्होंने 1919 के जालियांवाला बाग हत्याकांड के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गई 'नाइटहुड' की उपाधि लौटा दी थी, जो उनके नैतिक साहस का प्रमाण है।

उनका राष्ट्रवाद समावेशी था, विभाजनकारी नहीं। वे किसी भी प्रकार की कट्टरता के खिलाफ थे। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि उनके नाम का उपयोग केवल प्रतीकात्मक न रह जाए, बल्कि उनकी विचारधारा को भी आत्मसात किया जाए।

शपथ ग्रहण की तारीख का यह चयन केवल राजनीतिक वर्ग के लिए ही नहीं, बल्कि आम जनता के लिए भी एक संदेश है। यह बताता है कि राजनीति अब केवल नीतियों और घोषणाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह भावनाओं और प्रतीकों के स्तर पर भी संवाद स्थापित कर रही है।

बंगाल के मतदाता, जो अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर बेहद संवेदनशील हैं, इस कदम को कैसे देखते हैं, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

भाजपा के लिए असली चुनौती केवल इस प्रतीकात्मक कदम तक सीमित नहीं है। उसे यह साबित करना होगा कि वह वास्तव में बंगाल की संस्कृति, भाषा और परंपराओं का सम्मान करती है।

टैगोर के नाम पर शपथ लेना आसान है, लेकिन उनकी विचारधारा को शासन में उतारना कहीं अधिक कठिन।

क्या नई सरकार शिक्षा, साहित्य और कला के क्षेत्र में वैसा ही वातावरण बना पाएगी, जैसा टैगोर चाहते थे?

क्या वह समाज में समावेशिता और सहिष्णुता को बढ़ावा देगी?

ये सवाल आने वाले वर्षों में भाजपा के शासन का मूल्यांकन तय करेंगे।

विपक्ष की प्रतिक्रिया और राजनीतिक विमर्श

तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इस कदम को 'राजनीतिक अवसरवाद' करार दिया है। उनका कहना है कि भाजपा केवल चुनावी लाभ के लिए टैगोर के नाम का उपयोग कर रही है।

हालांकि, यह भी सच है कि राजनीति में प्रतीकों का उपयोग हमेशा से होता आया है, चाहे वह महात्मा गांधी हों, बाबा साहेब आंबेडकर हों या फिर टैगोर।

अंतर केवल इतना है कि कौन-सा दल इन प्रतीकों को कितनी ईमानदारी से अपनाता है।

रवींद्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती पर बंगाल, शपथ ग्रहण समारोह केवल एक राजनीतिक घटना नहीं है। यह एक ऐसा क्षण है, जहां संस्कृति, इतिहास और सत्ता एक साथ खड़े हैं।

यह भाजपा के लिए एक अवसर है, और एक परीक्षा भी।

अवसर इसलिए, क्योंकि वह बंगाल की सांस्कृतिक धारा से खुद को जोड़ सकती है।

परीक्षा इसलिए, क्योंकि उसे यह साबित करना होगा कि यह जुड़ाव केवल दिखावा नहीं, बल्कि वास्तविक है।

अंततः, टैगोर की ही पंक्तियों में कहें तो-

'जहां मन भय से मुक्त हो... '

क्या नई सरकार उस आदर्श को साकार कर पाएगी? या फिर यह भी केवल एक राजनीतिक प्रतीक बनकर रह जाएगा? समय इसका उत्तर देगा।

(लेखक जाने-माने स्वतंत्र पत्रकार हैं)

पंच दिवसीय कुंडात्मक यज्ञ महोत्सव का आयोजन

बेगूं। श्री देवनारायण प्राण प्रतिष्ठा, श्री चारभुजानाथ, हनुमान मंदिर उघापन, कलशारोहण एवं पंच दिवसीय 5 कुंडात्मक यज्ञ महोत्सव का आयोजन ग्राम कल्याणपुरा में किया जा रहा है। समिति के सदस्य अशोक धाकड़ ने बताया कि 6 से 10 मई तक हेमाद्री स्नान, अग्नि स्थापना, पूजन, हवन, अधिवास के साथ महाभिषेक किया जा रहा है। इसके साथ ही 8 मई शाम को नारायण मटूनिया एण्ड पार्टी द्वारा बगड़ावत कथा, 9 मई को पप्पू वैष्णव द्वारा भजन सध्या और 10 मई शाम को माया म्यूजिकल ग्रुप द्वारा भजन संध्या में गायक श्रवण सेंदरी, निरमा धनगर, कॉमेडी दीपक छैला, डांसर राखी रंगीली व शालू नागौरी आदि कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

कोणार्क, ओडिशा राज्य का एक प्रमुख शहर है, जो अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह शहर खासकर अपने प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर के लिए जाना जाता है, जो यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। कोणार्क न केवल अपने मंदिरों और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय

कोणार्क यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और सुखद रहता है। गर्मियों में यहाँ का तापमान बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

कोणार्क एक अद्भुत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन वास्तुकला, सूर्य मंदिर और समुद्र तट के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की शांति, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर पर्यटकों को आकर्षित करती है। अगर आप भारतीय इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला के प्रति रुचि रखते हैं, तो कोणार्क एक अवश्य देखे जाने योग्य स्थान है। यह जगह हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

कोणार्क की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति पर्यटकों को करती है आकर्षित

कोणार्क सूर्य मंदिर : स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण

कोणार्क का प्रमुख आकर्षण है कोणार्क सूर्य मंदिर। यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है और 13वीं शताब्दी में राजा नरसिंहदेव द्वारा बनवाया गया था। यह मंदिर अपनी विशाल और अद्भुत वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर की संरचना एक विशाल रथ (रथ का रूप) की तरह बनाई गई है, जो सूर्य देवता की यात्रा को दर्शाता है। इसके चार पहिये और घोड़े की मूर्तियाँ अत्यधिक बारीकी से बनायी गई हैं।

कोणार्क सूर्य मंदिर के दीवारों पर उकेरी गई चित्रकला और शिल्पकला भारतीय स्थापत्य का एक अद्वितीय उदाहरण है। यहाँ की मूर्तियाँ और नक्काशी दर्शाती हैं कि उस समय के शिल्पकारों ने कितना उच्च स्तर का कला कौशल हासिल किया था। यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारतीय शिल्पकला और वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

कोणार्क बीच

कोणार्क का एक और प्रमुख आकर्षण है यहाँ का सुंदर समुद्र तट, जिसे कोणार्क बीच कहा जाता है। यह समुद्र तट अपनी शांत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटक यहाँ सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं। यह समुद्र तट उन लोगों के लिए आदर्श है जो समुद्र के नजदीक शांति और सुकून की तलाश करते हैं। साथ ही, यहाँ विभिन्न जल क्रीड़ाओं का भी आनंद लिया जा सकता है, जैसे कि स्विमिंग, बोटिंग और वाटर स्पोर्ट्स।

कोणार्क की ऐतिहासिक धरोहर

कोणार्क में केवल सूर्य मंदिर ही नहीं, बल्कि अन्य ऐतिहासिक स्थल भी हैं जो इस क्षेत्र के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को दर्शाते हैं। कोणार्क म्यूजियम में पर्यटक इस क्षेत्र के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहाँ की पुरानी मूर्तियाँ, शिल्पकला और अन्य पुरातात्विक वस्तुएं इस क्षेत्र की समृद्ध धरोहर को उजागर करती हैं।

कोणार्क महोत्सव

कोणार्क नृत्य महोत्सव हर साल दिसंबर महीने में आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में ओडिशा के पारंपरिक नृत्य रूपों, जैसे कि ओडिसी नृत्य, के शानदार प्रदर्शन होते हैं। यह महोत्सव कोणार्क सूर्य मंदिर के पास खुले आकाश के नीचे आयोजित होता है, जहाँ पर्यटक और कलाकार एक साथ ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव मनाते हैं। यह महोत्सव कला और संस्कृति प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव होता है।

नजदीकी पर्यटक स्थल

कोणार्क के आसपास कई अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। चिलिका झील जो एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है, केवल 30 किलोमीटर दूर स्थित है। यह झील अपने प्राकृतिक सौंदर्य और पक्षी अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ आप बोटिंग का आनंद ले सकते हैं और पक्षियों को देख सकते हैं। इसके अलावा, पुरी और भुवनेश्वर जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी कोणार्क के पास स्थित हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

गोवा घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें पांडवों की गुफा, ऐसे पहुंचे यहां

गोवा में घूमने के लिए वैसे तो कई अच्छी जगहें हैं। कई लोगों को लगता है कि गोवा सिर्फ अपने खूबसूरत समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। गोवा अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक आकर्षणों के लिए भी फेमस है। गोवा को बीच के नाम से इसलिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां के समुद्र तट काफी फेमस है। साथ ही यहां की नाइटलाइफ भी काफी ज्यादा फेमस है। अक्सर गोवा को बीच डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट किया जाता है। वहीं सोशल मीडिया, फिल्मों और ट्रैवल एजेंसियों के प्रचार में अधिकतर पार्टीज, बीच और वाटर स्पोर्ट्स को दिखाया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोवा की अरवलम गुफाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

अरवलम गुफा

बताया जाता है कि अवरलम गुफा महाभारत में पांडवों के वनवास के दौरान रुकने का स्थान था। यही वजह है कि इस गुफा को पांडव गुफा भी कहा जाता है। इन गुफाओं की वास्तुकला हिंदू और बौद्ध प्रभाव से जुड़ी हुई लगेंगी। यह गुफा अवरलम झरने की तरफ जाने वाले रास्ते में पड़ती है। यह गोवा में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

लोकेशन

गोवा के नॉर्थ गोवा में संकेलिम के पास स्थित है।

पणजी से यह गुफा करीब 29 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में करीब 40 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से कुछ दूरी पर अवरलम झरना और रुद्रेश्वर मंदिर भी है। आप यहां के नजारे भी देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे अरवलम गुफा

अगर आप थिविम रेलवे स्टेशन से आ रहे हैं, तो यह करीब 20 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में आपको करीब 30 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से गोवा का नजदीकी डाबोलिम एयरपोर्ट से लगभग 45 किमी है।

आप गोवा में कही भी जाने के लिए कैब बुक कर सकते हैं। आपको मापसा या पणजी से कैब और बस मिल जाएगी।

आप चाहें तो बाइक रेंट पर लेकर घूम सकते हैं।

प्रकृति, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का संगम है पतरातू घाटी

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 35-40 किलोमीटर दूर स्थित पतरातू घाटी एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो अपने घुमावदार रास्तों, हरे-भरे जंगलों, शांत झीलों और सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह घाटी रांची, रामगढ़ और हजारीबाग की पहाड़ियों के बीच स्थित है, जो इसे एक आदर्श सप्ताहांत गंतव्य बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. पतरातू डैम और झील

पतरातू डैम, नलकारी नदी पर स्थित है, जिसे मूल रूप से पतरातू थर्मल पावर स्टेशन की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया था। आज यह झील नौका विहार, पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गई है। झील के किनारे स्थित पतरातू लेक रिसॉर्ट पर्यटकों को आरामदायक आवास और जल क्रीड़ा की सुविधाएँ प्रदान करता है।

2. घुमावदार घाटी मार्ग

पतरातू घाटी का सड़क मार्ग अपने हेयरपिन मोड़ों और हरे-भरे दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यह मार्ग ड्राइविंग और बाइकिंग के शौकीनों के लिए एक रोमांचक अनुभव प्रदान करता है।

3. प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवन

घाटी में घने जंगल, पहाड़ियाँ और जलप्रपात हैं, जो ट्रेकिंग, हाइकिंग और बर्ड वॉचिंग के लिए उपयुक्त हैं। यहाँ भारतीय जंगली भैंस, बार्किंग डियर और स्लॉथ बियर जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं।

4. सांस्कृतिक विविधता

पतरातू क्षेत्र में संथाल और उरांव जैसे जनजातीय समुदाय निवास करते हैं, जिनकी सांस्कृतिक परंपराएँ और त्योहार पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से पतरातू घाटी तक एनएच-33 के माध्यम से पहुँचा जा सकता है। यह मार्ग लगभग 35 किलोमीटर लंबा है और यात्रा के दौरान सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन पतरातू है, जो घाटी से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है।

वायु मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची है, जो घाटी से लगभग 70 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च : इस अवधि में मौसम सुखद होता है, जो यात्रा और बाहरी गतिविधियों के लिए उपयुक्त है।

जुलाई से सितंबर : मानसून के दौरान घाटी हरे-भरे परिदृश्य से भर जाती है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

यात्रा सुझाव

घाटी के घुमावदार रास्तों पर सावधानीपूर्वक ड्राइव करें, विशेषकर बारिश के मौसम में।

रात के समय यात्रा से बचें, क्योंकि कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करें; कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें। पतरातू घाटी झारखंड का एक छिपा हुआ रत्न है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, रोमांच और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यदि आप शहरी जीवन की भागदौड़ से दूर एक शांत और सुंदर स्थान की तलाश में हैं, तो पतरातू घाटी आपकी यात्रा सूची में अवश्य होनी चाहिए।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com